



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

82-
18/11/86

सं० 40] नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 4, 1986 (आश्विन 12, 1908)

No. 40] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 4, 1986 (ASVINA 12, 1908)

इस भाग में सिर्फ पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय सूची

पृष्ठ	पृष्ठ
भाग I--खण्ड 1--(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं	657
भाग I--खण्ड 2--(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	1109
भाग I--खण्ड 3--रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गये संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	---
भाग I--खण्ड 4--रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	1459
भाग II--खण्ड 1--अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	*
भाग II--खण्ड 1-क--अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ	*
भाग II--खण्ड 2--विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट	*
भाग II--खण्ड 3--उप-खण्ड (i)--भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं)	*
भाग II--खण्ड 3--उप-खण्ड (ii)--भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं	*
भाग II--खण्ड 3--उप-खण्ड (iii)--भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी में प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं)	625
भाग II--खण्ड 4--रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश	*
भाग III--खण्ड 1--उच्च न्यायालयों, निवृत्त और महा-लेखा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	23 519
भाग III--खण्ड 2--पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेंटों और डिजाइनों से संबंधित अधिसूचनाएं और नोटिस	625
भाग III--खण्ड 3--मुद्रा आवृत्तों के प्राधिकार के अधीन श्रवण द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	---
भाग III--खण्ड 4--विभिन्न अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं	1719
भाग IV--गैर-सरकारी व्यक्तिओं और गैर-सरकारी निकायों द्वारा विज्ञापन और नोटिस	143
भाग V--अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को दिखाने वाला अनुसूचक	*

*पृष्ठ संख्या प्राप्त नहीं हुई।

CONTENTS

	PAGE		PAGE
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court ..	657	PART II—SECTION 3—Sub-Sec. (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by general Authorities (other than Administration of Union Territories) ..	*
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court ..	1109	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence ..	*
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence ..	—	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India ..	23519
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence ..	1459	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs ..	625
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations ..	*	PART III—SECTION 3—Notification issued by or under the authority of Chief Commissioners ..	—
PART II—SECTION 1-A—Authoritative text in the Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations ..	*	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies ..	1719
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills ..	*	PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies ..	143
PART II—SECTION 3—Sub-Sec. (i)—General Statutory Rules (including orders, bye-laws, etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India, (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) ..	*	PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc, both in English and Hindi ..	*
PART II—SECTION 3—Sub-Sec. (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) ..	*		

भाग I—खण्ड 1

[PART I—SECTION 1]

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 22 सितम्बर 1986

सं० 73-प्रेष/86—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी बीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक सहाय प्रदान करते हैं :—

अधिकारियों के नाम तथा पद

श्री महेन्द्र सिंह,

कान्स्टेबल सं० 283 सी०पी०

थाना कुर्थांड, जिला जलौन, (उ०प्र०)

श्री राम नारायण सिंह,

कान्स्टेबल नायक सं० 32039,

25वीं बटालियन, पी०ए०सी०,

नैनी, इलाहाबाद (उ०प्र०)

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

1 जून, 1984 को श्री महेन्द्र सिंह, कान्स्टेबल, थाना कुर्थांड, जिला जलौन, पी०ए०सी० के एक सैशन के साथ (कान्स्टेबल नायक राम नारायण सिंह सहित) जलौन जिले के चन्द्रबली, बेलाहन तथा पटराही गांवों की घाटियों में रात पर थे। शाम को अचानक वापस आ रहे थे तो उन्होंने आठ डाकुओं के एक गिरोह को घाटियों से बाहर आते हुए देखा। पुलिस दल को देखकर, डाकुओं ने उन पर गोली चलायी शुरू कर दी और घाटियों की तरफ पीछे हटने लगे। पुलिस दल ने उनका पीछा किया और आत्मरक्षा में गोली चलायी। श्री महेन्द्र सिंह तथा श्री राम नारायण सिंह गैरकानूनी डाकुओं के छिपने के स्थानों की तरफ बढ़े और उन पर गोली चलाई। उन्होंने एक डाकु की दस्त-पदी खींची। फिर भी पुलिस दल अंधेरे के कारण कोई खोज नहीं कर सका तथा अपने शिविर में वापस आ गया तथा वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया। अगले दिन सुबह क्षेत्र में कड़ी गन्त और खोजबीन की गयी। एक डाकु की लाश बरामद की गई जिसकी गोलियों से बाग रखा था। बाद में पहचान करने पर पता लगा कि वह गिरोह के सरगना श्री राम का भाई था।

इस मुठभेड़ में, श्री महेन्द्र सिंह, कान्स्टेबल तथा श्री राम नारायण सिंह, कान्स्टेबल नायक ने उत्कृष्ट बीरता, साहस तथा उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

2 ये पदक राष्ट्रपति का पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(1) के अन्तर्गत बीरता के लिए दिये जा रहे हैं तथा कनस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 1 जून, 1984 से दिया जाएगा।

सं० 74-प्रेष/86—राष्ट्रपति, मध्य प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी बीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक सहाय प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री हरसहेन्द्र सिंह बिरला,

पुलिस निरीक्षक,

जी० आर० पी०,

थाना भोपाल।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

3 दिसम्बर, 1984 को काफी मंदरे जी०आर०पी० कंट्रोल रूम में सूचना प्राप्त हुई कि बिषाक्त गैस से रेलवे स्टेशन का परिसर प्रभावित हुआ है। यह सूचना प्राप्त होते ही निरीक्षक हरमहेन्द्र सिंह बिरला अपने निवास स्थान से तुरन्त रेलवे स्टेशन पहुँचे और देखा कि रेलवे परिसर में बड़ी संख्या में लोग बुरी तरह खान रहे हैं और आँखों में जलन होने की शिकायत कर रहे हैं। उन्होंने तुरन्त बचाव कार्य प्रारम्भ किया और शहर के पुलिस कंट्रोल रूम को भी सूचित कर दिया। समस्त रेलवे कालोनी में बम फूटने वाली गैस फैल गई थी और बड़ी संख्या में लोग जी०आर०पी० पुलिस थाने में शरण लेने के लिए प्रवेश कर रहे थे। एक सहायक निरीक्षक और दो कान्स्टेबलों की सहायता से श्री बिरला आवश्यक सहायता करते रहे और सभी प्रभावित लोगों के लिए बचाव की उचित व्यवस्था की। रेलवे कालोनी, यादं क्षेत्र, रेलवे स्टेशन प्रतीक्षालय गैस सासवी से सब से अधिक प्रभावित हुए। आतंक गैस से श्री बिरला का परिवार भी प्रभावित हुआ; किन्तु अपनी और परिवार के सदस्यों की सुरक्षा की बिल्कुल परवाह न करने हुए वे प्रभावित लोगों के लिए परिवहन तथा अन्य सुविधाओं की व्यवस्था करते रहे। इस साहसिक और विकट कार्य में सहायता कर रहे जी० आर०पी० के तीन कामिक भी इस बिषाक्त गैस से प्रभावित हुए और उन्हें डाकूरी सहायता लेने दी गई। बाद में वे अकेले ही जनरल मेनेजर और मुख्य सुरक्षा अधिकारी, मेन्टून रेलवे जो संयोगवश भोपाल पहुँचे हुये थे, के सामने बचाव कार्य और रेलवे मैनेजमेंट द्वारा प्रारम्भ किए गए प्राथमिक चिकित्सा कार्यों का प्रबन्ध कर रहे थे। उप महा-निरीक्षक (रेलवे) ने ग्राम पास के सभी स्थानों से जी०आर०पी० के स्टाफ को सहायताार्थ बुलाया और यह सब कुछ उस दिन केवल दोपहर बाद ही सम्भव हो सका। तब तक श्री बिरला खुद भी गैस और थकावट से प्रभावित हो चुके थे।

इस घटना में, श्री हरमहेन्द्र सिंह बिरला, पुलिस निरीक्षक ने उत्कृष्ट बीरता, साहस एवं उच्च कोटि की कर्तव्य-परायणता का परिचय दिया।

2 यह पदक राष्ट्रपति का पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(1) के अन्तर्गत बीरता के लिए दिया जा रहा है तथा कनस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 3 दिसम्बर, 1984 से दिया जाएगा।

सं० 75-प्रेष/86—राष्ट्रपति, बिहार प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी बीरता के लिए पुलिस पदक सहाय प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री बिनोद कुमार सिन्हा,

पुलिस उप-निरीक्षक,

थाना—मेनाटांड,

जिला पश्चिम बम्भारन।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

21 नवम्बर, 1984 को मेनाटांड थाने के उप-निरीक्षक बिनोद कुमार सिन्हा को सूचना प्राप्त हुई कि शायद नेपाल के सशस्त्र अपराधियों

के एक गिरौह ने गांव डी० के० शिकारपुर में डकैनी छानी है और जेवरत, तबंदी आदि छुटी है। श्री सिन्हा ने तुरन्त उपमन्त्र बल और लाईसेंसधुवा बन्दूको वाले कुछ ग्रामीणों को एकत्र किया और छापा मारने का आयोजन किया। उन्होंने बल को तीन दलों में विभाजित किया और उनमें से दो को अलग-अलग दिशाओं में भेजा तथा तीसरे दल का स्वयं प्रभार सम्भाला। श्री सिन्हा के नेतृत्व वाले दल ने खलि-हान में मोर्चा सम्भाला और लगातार पाते वाले सम्भावित मार्गों को बन्द कर दिया। काफी रातों में उन्होंने एक पुलिस दल द्वारा अपराधियों को दी गई चेतावनी की आवाज सुनी। श्री सिन्हा तत्काल उस दिशा की ओर बढ़े और लगभग 8-10 अपराधियों को उत्तर-पूर्व से पश्चिम की ओर भागते देखा। उन्होंने भी अपराधियों को आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी कि वे आत्मसमर्पण कर दें क्योंकि उनका सभी ओर से घेर लिया गया है। लेकिन अपराधियों ने इसके जवाब में पुलिस दल पर अंधाधुंध गोलीबारी चलाई। श्री सिन्हा ने अपने जवानों को जवाब में गोली चलाने का आदेश दिया। अपराधियों द्वारा गोली चलाए जाने के परिणामस्वरूप उनके दल के दो जवानों को घरे लगने से घोंटे आई लेकिन वे इससे विचलित नहीं हुए और जवाब में गोली चलाने रहे। अन्त में अपराधी हथौड़ाहिन हो गये और भागने लगे। जल्दी ही उन्होंने तीसरे दल द्वारा गोली चलाए जाने की आवाज सुनी और उस समय तक लाईसेंसधुवा बन्दूक वाले बहुत से ग्रामीण भी वहाँ एकत्र हो चुके थे। जब गोलीबारी खत्म हुई तो पुलिस दल ने क्षेत्रों में तलाश शुरू की और अपराधियों के 8 शव मिले तथा चुराई गई लगभग सारी सम्पत्ति भी अगमद हुई। वापस जाने हुए एक डाकू को गांव रामपुरवा में पकड़ लिया गया जिसका कुछ ग्रामीणों द्वारा मार डाला गया। मुठभेड़ में कुल 9 डाकू मारे गए।

हम मुठभेड़ में श्री विनोद कुमार पुलिस उप-निरीक्षक ने उत्कृष्ट धीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

2 यह पदक पुलिस पदक विनियमों के नियम 4(1) के अन्तर्गत धीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृति भत्ता भी दिनांक 21 नवम्बर, 1981 से दिया जाएगा।

के० सी० मिह, राष्ट्रपति का उप सचिव

सचिव सभा सचिवालय

(पी० यू० बॉन्ब)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 25 अगस्त 1986

सं० 4/1-पी यू/86-अर्ध जगेश देसाई, भद्रस राज्य सभा को, कुमारी सराज खापड़ का राज्य मंत्री के रूप में नियुक्ति होने पर उनके सरकारी उपक्रमों सम्बन्धी समिति का भद्रस न रहने के कारण, उनके स्थान पर समिति के लिये दिनांक 22-8-1986 से विधिवत निर्वाचित किया गया है

एस० एस० चावला, मुख्य वित्तीय समिति
अधिकारी

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 12 अगस्त 1986

शुद्धिपत्र

विषय:-एस-2 संरचना में 12113.6 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र के लिये तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग (बी० ओ० पी०) का पेट्रोलियम अन्वेषी लाइसेंस देना।

सं० ओ-12012/8/86-ओ० एन० जी० डी-4-दिनांक 12-5-86 के आदेश के प्रथम पैरा की मानवी गति निम्नप्रकार पढ़ी जाये:-

“एस-2 संरचना क्षेत्र के लिये इस पी० डी० एन० के जारी होने की तिथि से” के स्थान पर “एस-2 संरचना क्षेत्र के लिये 6-5-86 से पड़े”।

आदेश के अन्य भाग भी ही रहेंगे। भारत के राष्ट्रपति के नाम और उनके आदेश से।

पी० के० राजगोपालन, डेस्क अधिकारी

इस्पात और ताम्र मंत्रालय नियमावली

नई दिल्ली, दिनांक 4 अक्टूबर 1986

सं० ए० 12025/4/86-एम-2-निम्नलिखित रिक्त पदों को भरने के लिये 1987 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ली जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा की नियमावली सिवई मंत्रालय की सहमति से सर्व-साधारण की जानकारी के लिये प्रकाशित की जाती है:-

1 उम्मीदवार उपर्युक्त पदवर्गों में से किसी एक या दोनों मंत्रालय के पद।

(1) भू-विज्ञानी (कनिष्ठ) ग्रुप क और

(2) सहायक भू-विज्ञानी ग्रुप ख

वर्ग-II (केन्द्रीय भू-जल बोर्ड सिवई मंत्रालय के पद) (i) कनिष्ठ जल भू-विज्ञानी ग्रुप “क” (ii) सहायक जल भू-विज्ञानी ग्रुप ख

1. उम्मीदवार उपर्युक्त पदवर्गों में से किसी एक या दोनों के लिए प्रतियोगी हो सकता है। उसे अपने आवेदन-पत्र में उन पदों का स्पष्ट रूप से उल्लेख करना चाहिए। जिनके लिये वह वरीयता क्रम में बिचार किए जाने का हक्क है।

जिस पद वर्ग/वर्गों के लिये उम्मीदवार परीक्षा में बैठ रहे हैं उनके सम्बन्ध में उम्मीदवार द्वारा निश्चित वरीयताओं के परिवर्तन सम्बन्धी किसी अनुसूची पर तब तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक कि इस प्रकार के परिवर्तन से सम्बद्ध अनुसूची रोजगार समाचार में लिखित परीक्षा के परिणाम के प्रकाशन की तारीख के 30 दिन के अन्दर या उससे पहले संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्राप्त न हो जाए।

2. उक्त परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्तियां शुरू में अस्थायी रूप में की जाएंगी। जैसे ही स्थाई रिक्तियां होंगी उम्मीदवार अपने जारी में स्थाई रूप से नियुक्त कर दिये जायेंगे।

3. इन परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी किये गये नोटिस में निश्चित की जाएगी। अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन-जातियों के उम्मीदवारों के लिए रिक्तियों के आरक्षण सरकार द्वारा निर्धारित रूप में किये जाएंगे।

4. आयोग द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिनिष्ठ 1 में निर्धारित रीति से आयोजित की जाएगी।

परीक्षा कम और कहां होगी यह आयोग द्वारा निश्चित किया जाएगा।

5. कोई उम्मीदवार या तो:-

(क) भारत का नागरिक हो, या

(ख) नेपाल की प्रजा हो, या

(ग) भूटान की प्रजा हो, या

(घ) भारत में स्थाई निवास के इरादे से 1 जनवरी 1962 से पहले भारत आया हुआ निम्नलिखित शरणार्थी हो, या

(ङ) भारत में स्थायी निवास के इरादे से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, कोरिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया (भूतपूर्व टंगानिका और जंजीबार) के पूर्वी अफ्रीकी देशों या जाम्बिया, मलावी, जेरे, इथियोपिया और बियतनाम से प्रजनन कर आया हुआ मूलतः भारतीय व्यक्ति हो।

किन्तु शर्त यह है कि उपर्युक्त वर्ग (ख), (ग), (घ) और (ङ) से सम्बद्ध उम्मीदवार को सरकार ने पात्रता प्रमाणपत्र प्रदान किया हो।

जिस उम्मीदवार के मामले में पात्रता प्रमाण पत्र आवश्यक हो उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है। किन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव केवल तभी दिया जा सकता है जब भारत सरकार द्वारा उसे आवश्यक पात्रता प्रमाणपत्र जारी कर दिया गया हो।

6. (क) इस परीक्षा के उम्मीदवार की आयु 1 जनवरी 1987 को 21 वर्ष हो चुकी हो किन्तु 30 वर्ष पूरी न हुई हो अर्थात् उसका जन्म 2 जनवरी 1957 से पहले और 1 जनवरी 1966 के बाद न हुआ हो।

(ख) यदि निम्नलिखित वर्गों के सरकारी कर्मचारी नीचे के कालम I में उल्लिखित किसी विभाग में नियोजित हैं और यदि वे कालम-II में उल्लिखित समरूपी पद (पदों) हेतु आवेदन करते हैं उनमें मामलों में ऊपरी आयु सीमा में अधिकतम 7 वर्ष की छूट दी जाएगी :—

कालम I	कालम II
भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण	<ul style="list-style-type: none"> भूविज्ञानी (कनिष्ठ) ग्रुप 'क' सहायक भूविज्ञानी ग्रुप 'ख'
केंद्रीय भू-अन्वेषण	<ul style="list-style-type: none"> कनिष्ठ अन्वेषण-भूविज्ञानी ग्रुप 'क' सहायक अन्वेषण-भूविज्ञानी ग्रुप 'ख'

(ग) निम्नलिखित स्थितियों में ऊपर निर्धारित ऊपरी आयु सीमा में और छूट दी जाएगी :—

- (1) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो तो अधिक से अधिक पांच वर्ष तक;
- (2) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) से वस्तुतः विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि के दौरान, प्रत्यावर्तित होकर भारत आ गया था, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक;
- (3) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का है और भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) से वस्तुतः विस्थापित व्यक्ति है तथा 1 जनवरी, 1964 से 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि के दौरान, प्रत्यावर्तित होकर, भारत आ गया था, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक;
- (4) यदि उम्मीदवार अक्टूबर, 1964 के भारत स्वातंत्र्य करार के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद वस्तुतः प्रत्यावर्तित हुआ हो या होकर आया या आने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष;
- (5) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो तो और अक्टूबर, 1964 के भारत-आतंक करार के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद वस्तुतः प्रत्यावर्तित हुआ या होकर आया या आने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष;
- (6) यदि उम्मीदवार भारत मूलक व्यक्ति हो और उतने कीनिया, उगांडा और तंजानिया संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व टंगानिका तथा जंजीबार) से प्रजनन किया हो या जॉर्जिया, मलावी, जेरे और इथियोपिया से प्रत्यावर्तित हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष;
- (7) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का है और भारत मूल का वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है तथा कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया (भूतपूर्व टंगानिका तथा जंजीबार) से प्रजनन कर आया है या जाम्बिया, मलावी, जेरे तथा इथियोपिया से भारत मूल का प्रत्यावर्तित व्यक्ति है तो अधिक से अधिक 8 वर्ष;
- (8) यदि उम्मीदवार बर्मा से 1 जन, 1963 को या उसके बाद वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर आया भारत मूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष;

- (9) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो तो बर्मा से 1 जन, 1963 को या उसके बाद वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर आया भारत मूलक व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष;
- (10) शत्रु देश के साथ संघर्ष में या अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए तथा इसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए रक्षा सेवा के अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के कामकाज के मामले में अधिक से अधिक 3 वर्ष;
- (11) शत्रु देश के साथ संघर्ष में या अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए तथा इसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए रक्षा सेवा के अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के कामकाज के मामले में अधिक से अधिक आठ वर्ष;
- (12) यदि कोई उम्मीदवार वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति (जिसके पास भारतीय पारपत्र हो) है और ऐसा उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राज-दूतावास द्वारा जारी किया गया आपात प्रमाण-पत्र है और जो वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है, तो उसके लिए अधिक से अधिक तीन वर्ष;
- (13) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो और वियतनाम से वस्तुतः प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो (जिसके पास भारतीय पारपत्र हो) और ऐसा भी उम्मीदवार जिसके वियतनाम में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपात प्रमाण-पत्र हो और जो वियतनाम से जुलाई, 1975 के बाद भारत आया हो तो उसके लिए अधिक से अधिक आठ वर्ष तक;
- (14) जिन भूतपूर्व सैनिकों और कर्मियों प्राप्त अधिकारियों (आपात-कालीन कर्मियों प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालिक सेवा कर्मियों प्राप्त अधिकारियों सहित) ने 1 जनवरी, 1987 को कम से कम 5 वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो कदाचार या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त या सैनिक सेवा से हुए शारीरिक अपंगता या अक्षमता के कारण कार्यमुक्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्यमुक्त हुए हैं (इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 जनवरी, 1987 से छः महीनों के अन्दर पूरा होना है) उनके मामले में अधिक से अधिक 5 वर्ष तक;
- (15) जिन भूतपूर्व सैनिकों और कर्मियों प्राप्त अधिकारियों (आपात-कालीन कर्मियों प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कर्मियों प्राप्त अधिकारियों सहित) ने 1 जनवरी, 1987 को कम से कम पांच वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो कदाचार या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त या सैनिक सेवा से दूर शारीरिक अपंगता या अक्षमता के कारण कार्यमुक्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्यमुक्त हुए हैं (इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 जनवरी, 1987 से छः महीनों के अन्दर पूरा होना है) तथा जो अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के हैं उनके मामले में अधिक से अधिक दस वर्ष तक;
- (16) आपातकालीन कर्मियों प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कर्मियों प्राप्त अधिकारियों के मामले में अधिकतम 5 वर्ष जिन्होंने सैनिक सेवा के 5 वर्ष की सेवा की प्रारम्भिक अवधि 1 जनवरी, 1987 तक पूरी कर ली है, और उनके बाद सैनिक भ्रम में रखे जाते हैं तथा जिनके मामले में रक्षा विभाग को एक प्रमाण-पत्र जारी करना होता है कि वे नियमित राजपत्र के लिए आवेदन कर सकते हैं और सिविल नौजगार प्राप्त करने पर तीन माह के मोदित पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा,

- (17) अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के ऐसे आपातकालीन कमीशन अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन अधिकारियों के मामले में अधिकतम 10 वर्ष जिन्होंने सैनिक सेवा के 5 वर्ष की सेवा की प्रारम्भिक अवधि 1 जनवरी, 1987 का पूरी कर ली है और उसके बाद सैनिक सेवा में रखे जाते हैं तथा जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय को एक प्रमाण पत्र जारी करना होता है कि वे सिविल रोजगार के लिए आवेदन कर सकते हैं और सिविल रोजगार प्राप्त करने पर तीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा।
- (18) यदि कोई उम्मीदवार तत्कालीन पश्चिमी पाकिस्तान से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और भारत में 1 जनवरी, 1971 तथा 31 मार्च, 1973 के बीच की अवधि के दौरान, प्रव्रजन कर आया है तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक;
- (19) यदि कोई उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का है और तत्कालीन पश्चिमी पाकिस्तान से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और भारत में 1 जनवरी, 1971 तथा 31 मार्च, 1973 के बीच की अवधि के दौरान प्रव्रजन कर आया है तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक;
- (20) यदि कोई उम्मीदवार पहली जनवरी, 1980 से 15 अगस्त, 1985 तक की अवधि के दौरान साधारणतः असम राज्य में रहा हो, तो अधिक से अधिक 6 वर्ष तक;
- (21) यदि कोई उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति का हो और पहली जनवरी, 1980 से 15 अगस्त, 1985 तक की अवधि के दौरान साधारणतः असम राज्य में रहा हो, तो अधिक से अधिक 11 वर्ष तक।

टिप्पणी :—भूतपूर्व सैनिक जिन्होंने अपने पुनः रोजगार हेतु भूतपूर्व सैनिकों को दिए जाने वाले लाभों को लेने के बाद सिविल क्षेत्र में सरकारी नौकरी पढ़े ही ले ली है, वे उपर्युक्त नियमावली के नियम 6 (ग) (xiv) और 6 (ग) (xv) के अधीन आवेदन करने के पात्र नहीं हैं।

ऊपर की गई व्यवस्था को छोड़कर निर्धारित आयु सीमा में कितने भी हालत में छूट नहीं दी जा सकती।

ध्यान दें :—

- (1) जिस उम्मीदवार को नियम 6 (ख) के अर्हत परीक्षा में प्रवेश दे दिया गया हो और उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी यदि आवेदन-पत्र भेजने के बाद वह परीक्षा से पहले या परीक्षा देने के बाद सेवा से त्याग-पत्र दे देता है या विभाग/कार्यालय द्वारा उसकी सेवाएं समाप्त कर दी जाती हैं। किन्तु आवेदन-पत्र के बाद यदि उसकी सेवा या पद से छंटनी हो जाती है तो वह पात्र बना रहेगा।
- (2) जो उम्मीदवार अपने विभाग को अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद किसी अन्य विभाग/कार्यालय को स्थानान्तरित हो जाता है वह उस पद (पर्व) हेतु विभागीय आयु सम्बन्धी रियायत लेकर प्रतियोगिता में सम्मिलित होने का पात्र रहेगा जिसका पात्र वह स्थानान्तरण न होने पर रहता, बशर्ते कि उसका आवेदन-पत्र विधिवत अनुशंसा सहित उसके मूल विभाग द्वारा, अंग्रेजित कर दिया गया हो।

7. उम्मीदवार के पास :—

- (क) भारत के केन्द्र या राज्य विधान मंडल के अधिनियम द्वारा निर्णयित किसी विश्वविद्यालय की या संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अधीन विश्वविद्यालय के रूप में मान्य घोषित किसी अन्य शिक्षा संस्थान से भू-विज्ञान

या प्रयुक्त भू-विज्ञान या समग्र भू-विज्ञान में "मास्टर" डिग्री, या

- (ख) भारतीय खान विद्यालय, धनबाद से प्रयुक्त-भू-विज्ञान में ऐसो-शिफ्टशिप का डिप्लोमा,
- (ग) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक अन्वेषण में मास्टर डिग्री (केवल भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीन के लिए), या
- (घ) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से जल-भू-विज्ञान में मास्टर डिग्री (केवल केन्द्रीय भू-जल बोर्ड के पर्वों हेतु)।

टिप्पणी 1 :—यदि उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है परन्तु उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो वह भी इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता हो वह भी आवेदन कर सकता है। ऐसे उम्मीदवारों को, यदि वे अन्यथा पात्र होंगे तो परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अनन्तिम मानी जाएगी और यदि वे अर्हक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और हर हालत में 31 अगस्त, 1987 तक प्रस्तुत नहीं करते तो वह अनुमति रद्द की जा सकती है।

टिप्पणी 2 :—विशेष परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग ऐसे किसी उम्मीदवार को भी शैक्षिक दृष्टि से योग्य मान सकता है जिसके पास इस नियम में विहित अर्हताओं में से कोई अर्हता न हो, बशर्ते कि उम्मीदवार ने किसी संस्था द्वारा ली गई कोई ऐसी परीक्षा पास कर ली हो जिसके स्तर आयोग के ममानुसार ऐसी हो कि उसके आधार पर उम्मीदवार का परीक्षा में प्रवेश उचित ठहर सके।

टिप्पणी 3 :—जिन उम्मीदवार ने अन्यथा अर्हता प्राप्त कर ली है किन्तु उनके पास विदेशी विश्वविद्यालय की डिग्री है, तो वह भी आयोग को आवेदन कर सकता है और उसे आयोग की विवक्षा पर परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है।

8. उम्मीदवारों को आयोग के नोटिस के तैरा 6 में निर्धारित मुक्त का भुगतान अवश्य करना चाहिए।

9. जो व्यक्ति पहले न हो सरकारी नौकरी में आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर स्थायी या स्थायी हैनियत से या कार्य प्रभारित कर्मचारियों को हैनियत से काम कर रहे हैं या जो सार्वजनिक उद्यमों में कार्यरत हैं उन्हें यह परिचयन (अण्डर टैकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के प्रधान को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियोक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैठने से सम्बद्ध अनुमति रोकते हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन पत्र अस्वीकृत कर दिया जाएगा/उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

10. उक्त परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।

11. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक कि उनके पास आयोग का प्रवेश प्रमाण-पत्र (मर्टिफिकेट ऑफ एडमिशन) न हो।

12. जिस उम्मीदवार ने :—

- (1) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा
- (2) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा
- (3) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप से कार्य साधन कराया है, अथवा

- (4) खाली प्रलेख या ऐसे प्रलेख प्रस्तुत किये हैं जिनमें तथ्यों में फेरबदल किया गया हो, अथवा
- (5) गलत या झूठे दस्तावेज दिये हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा
- (6) परीक्षा में उम्मीदवारों के सम्बन्ध में किसी अन्य अनियमित व्यवस्था अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा
- (7) परीक्षा के समय अनुचित साधनों का प्रयोग किया हो, अथवा
- (8) उत्तर पुस्तिकाओं पर असंगत बातें लिखी हों जो अश्लील भाषा में या अशुभ आशय की हों, अथवा
- (9) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्व्यवहार किया हो, अथवा
- (10) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुँचाई हो, अथवा
- (11) उम्मीदवारों को परीक्षा देने की अनुमति देने हुए प्रेषित प्रवेश प्रमाण-पत्र के साथ जारी किसी अनुदेण का उल्लंघन किया हो।
- (12) पूर्वोक्त खण्डों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य को करने का प्रयास किया हो या करने की प्रेरणा दी हो, जैसी भी स्थिति हो, तो उस पर अपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रोसीक्यूशन) चलाया जा सकता है और इसके साथ ही उसे :—
 - (क) आयोग उस परीक्षा से जिसका वह उम्मीदवार है बैठने के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है, अथवा
 - (ख) उसे स्थायी रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए
 - (1) आयोग द्वारा सी जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा घटन से,
 - (2) केन्द्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी भी नौकरी से
 बाधित किया जा सकता है, और
 - (ग) यदि वह सरकार के अन्तर्गत पहले से ही सेवा में है तो उसके विरुद्ध उपयुक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है। किन्तु धर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्ति तब तक नहीं दी जाएगी, जब तक—
 - (1) उम्मीदवार इस सम्बन्ध में जो लिखित अभ्यावेदन देना चाहे उसे प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो, और
 - (2) उम्मीदवार द्वारा अनुमत समय में यदि कोई अभ्यावेदन प्रस्तुत किया गया हो तो उस पर विचार न कर लिया गया हो।

13. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में आयोग द्वारा अपनी विषया पर निर्धारित न्यूनतम अंश प्राप्त कर लेते हैं उन्हें व्यक्तिगत परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिये बुलाया जायेगा।

परन्तु यदि आयोग के मतानुसार सामान्य स्तर के आधार पर अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिये आरक्षित रिक्तियों के भरने के लिये इन जातियों के उम्मीदवार पर्याप्त संख्या में व्यक्तिगत परीक्षा के लिए साक्षात्कार हेतु नहीं बुलाये जा सकते हैं तो आयोग उनको स्तर में छूट देकर व्यक्तिगत परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिये बुला सकता है।

14. परीक्षा के बाद आयोग हर एक उम्मीदवार को अंतिम रूप से दिये गये कुल प्राप्तांकों के आधार पर उनके योग्यता क्रम के अनुसार

उनके नामों की सूची बनाएगा और इन परीक्षा का परिणाम निकलने पर जितनी आरक्षित खाली जगहों पर भर्ती करने का फैसला किया गया हो उतने ही ऐसे उम्मीदवारों को योग्यताक्रम के अनुसार नियुक्त करने के लिए अनुर्णना का आयोग जो आयोग द्वारा परीक्षा में योग्य पाये गये हों।

परन्तु यदि सामान्य स्तर से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिये आरक्षित रिक्तियों की संख्या तक अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवार नहीं भरे जा सकते हों, तो आरक्षित कोटा में कर्मा पूरी करने के लिये आयोग द्वारा स्तर में छूट देकर, चाहे परीक्षा के योग्यता क्रम में उनका कोई भी स्थान हो नियुक्ति के लिए अनुर्णनित किये जा सकेंगे बशर्ते कि ये उम्मीदवार इन सेवाओं पर नियुक्ति के लिए उपयुक्त हों।

15. प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षाफल की सूचना किस रूप में और किस प्रकार दी जाये इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा और आयोग उनसे परीक्षा फल के बारे में कोई पत्र व्यवहार नहीं करेगा।

16. परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्ति करने समय उम्मीदवार द्वारा आवेदन-पत्र में विभिन्न पदों के लिये बताये गये वरीयता क्रम पर आयोग द्वारा उचित ध्यान दिया जाएगा।

17. परीक्षा में पास हो जाने मात्र से ही नियुक्ति का अधिकार नहीं मिल जाता है इसके लिये आवश्यक है कि सरकार आवश्यकताानुसार जांच करके इस बात से संतुष्ट हो जाये कि उम्मीदवार चरित्र तथा पूर्ववृत्त की दृष्टि से इस सेवा में नियुक्ति के लिये हर प्रकार से उपयुक्त है।

18. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जो संबंधित सेवा के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों को कुशलतापूर्वक निभाने में बाधक हो। यदि विहित डाक्टरों परीक्षा के बाद यथास्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा निर्धारित की जायें, किसी उम्मीदवार के बारे में यह बात हुआ कि वह इन बातों को पूरा नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जायेगी। जिन उम्मीदवारों के नियुक्ति किये जाने की संभावना है केवल उन्हीं की डाक्टरों परीक्षा की जाएगी। डाक्टरों परीक्षा के समय उम्मीदवार शुल्क के रूप में ₹ 16.00 का भुगतान मेडिकल बोर्ड को करेंगे।

नोट :—निराशा से बचने के लिये उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिये आवेदन करने से पहले सिविल सर्जन स्तर के सरकारी चिकित्सा अधिकारी से अपनी डाक्टरों जांच करा लें। उम्मीदवारों को नियुक्ति से पहले जिन डाक्टरों परीक्षाओं से गुजरना होगा उनके स्वरूप के विवरण और नामक परिशिष्ट 2 में दिये गये हैं। चिकित्सा दृष्टि से अनुरूप सैनिकों को पद विर्णय की अपेक्षाओं के अनुसार स्तर में छूट दी जाएगी।

19. जिस व्यक्ति ने :—

- (क) ऐसे व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबंध किया है जिसका जीवन पति/पत्नी पहले से है, या
- (ख) जीवित पति/पत्नी के रहते हुए, किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबंध किया है, तो वह सेवा में नियुक्ति के लिये पात्र नहीं माना जाएगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो जाये कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति तथा विवाह के दूगरे पक्ष पर लागू होने वाले वैयक्तिक कानून के अनुसार स्वकार्य है और ऐसा करने के लिये अन्य कारण भी हैं तो किसी भी व्यक्ति को इस नियम से छूट दी जा सकती है।

20. इस परीक्षा के माध्यम से जिन पदों के संबंध में भर्ती की जा रही है उनका संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट 3 में दिया गया है।

जे० बी० सुश्री/गुप्त,
अवर सचिव

परिशिष्ट-1

1. परीक्षा निम्नलिखित योजना के अनुसार आयोजित की जाएगी :—

भाग 1—नीचे दिए गए विषयों में लिखित परीक्षा।
भाग 2—प्रश्नों द्वारा साक्षात्कार हेतु बुलाये जाने वाले उम्मीदवारों का व्यक्तिगत परीक्षण जो अधिकतम 200 प्रश्नों (देखिए नीचे पैरा 7) का है।

2. लिखित परीक्षा निम्न विषयों में की जाएगी :—

विषय	कोड नं०	समय	पूर्णांक
1	2	3	4
(1) सामान्य अंग्रेजी	01	1½ घंटा	100
(2) भू-विज्ञान प्रश्न पत्र-I, जिसमें सामान्य भू-विज्ञान, भू-आकृति विज्ञान, संरचनात्मक भू-विज्ञान, स्तरकम विज्ञान और जीवाश्म विज्ञान होंगे	02	3 घंटे	200
(3) भू-विज्ञान प्रश्न-पत्र II, जिसमें क्रिस्टल विज्ञान, खनिज विज्ञान योग, विज्ञान और भू-रसायन विज्ञान होंगे	03	3 घंटे	200
(4) भू-विज्ञान प्रश्न-पत्र III, जिसमें भारतीय खनिज निक्षेप, खनिज प्रयोग, खनिज अर्थशास्त्र और आर्थिक भू-विज्ञान होंगे	04	2 घंटे	150
(5) जल भू-विज्ञान	05	2 घंटे	150

नोट—वर्ग 1 और वर्ग 2 के अन्तर्गत पदों के लिये प्रतियोगी उम्मीदवारों को उपर्युक्त सभी विषय लेने होंगे। केवल वर्ग 1 के अन्तर्गत पदों के लिये प्रतियोगी उम्मीदवारों को उपर्युक्त (1) से (4) तक के विषय लेने होंगे और केवल वर्ग 2 के अन्तर्गत पदों के लिये प्रतियोगी उम्मीदवारों को (1) से (3) तथा (5) तक विषय लेने होंगे।

3. सभी विषयों की परीक्षा पूर्णतः 'वस्तु परक' (बहु विकल्प उत्तर) प्रकार की होगी। तमने के प्रश्नों सहित विवरण के लिये कृपया आयोग के नोटिस के अनुबन्ध 2 पर "उम्मीदवारों को सूचनाएँ" विवरणिका देखिए।

प्रश्न पत्र (परीक्षण पुस्तिकाएँ) केवल अंग्रेजी में होंगी।

4. परीक्षा का स्तर और पाठ्यचर्या संलग्न अनुसूची के अनुसार होंगे।

5. उम्मीदवारों को उत्तर अपने ही हाथ से लिखने चाहिए। उन्हें उत्तर लिखने के लिये किसी लिखने वाले की सहायता की अनुमति नहीं दी जायेगी।

6. आयोग परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के लिये प्रश्नक अंक निश्चित कर सकता है।

7. उम्मीदवार वस्तु परक प्रश्न पत्रों (परीक्षण पुस्तिकाओं) का उत्तर देने के लिये कलम/पेंसिल का प्रयोग नहीं कर सकते। अतः वे उन्हें परीक्षा भवन में न लायें।

8. व्यक्तिगत परीक्षण करते समय उम्मीदवार की नेतृत्व क्षमता, पहलू तथा मेधावर्धन, व्यवहार, कुशलता तथा अन्य सामाजिक गुण मानसिक तथा शारीरिक उज्ज्वलता, प्रायोगिक अनुप्रयोग की शक्ति और कारिष्ठ निष्ठा के निर्धारण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

अनुसूची

स्तर और पाठ्यचर्या

अंग्रेजी के प्रश्न पत्र का स्तर ऐसा होगा जिसकी अपेक्षा विज्ञान के स्नातक से की जाती है। भूवैज्ञानिक विषय भारतीय विश्वविद्यालय की एम.ए. एड्स कोड विषय स्तर के होंगे और सामान्यतः प्रत्येक विषय में से प्रश्न रखे जायेंगे जिनसे उम्मीदवारों की विषय की समझ का पता लग सके।

किसी भी विषय में प्रायोगिक परीक्षा नहीं होगी।

(1) सामान्य अंग्रेजी (कोड 01)

अंग्रेजी भाषा की समझ और अभिव्यक्ति करने की शक्ति की जाँच करने के प्रश्न दिये जायेंगे।

(2) भूविज्ञान प्रश्न पत्र 1 (कोड 02)

क—सामान्य भू-उद्गम

महादीप और महासागर—उनका विभाजन विकास और उद्गम। महादीपीय विस्थापन महासागर विस्तारण और जेट विवर्तन की संकल्पना पुराजलधाय और उनकी विशेषता। समस्थिति पुराबुम्बकण। विषट्तामिकता और उसका भू-विज्ञान में अनुप्रयोग। भूकालन क्रम और भू-काल। भूकम्प विज्ञान और भूगर्भ। भू-अभिनति। ज्वालामुखीयता। द्वीप चर्च गम्भीर, रागर, खाईयाँ और मध्य महासागरीय कटक। कोरल रीढ़। गर्तन और महादेश रचना। पर्वतनी चक्र।

ख—भू-आकृति विज्ञान—भू-आकृतिक प्रक्रम; लक्षण और उनके प्राचन। भूआकृतिक चक्र और उनका अर्थ निर्वचन। स्थलाकृति और संरचनाओं से इसका सम्बन्ध। मृदा।

ग—संरचनात्मक भू-विज्ञान—चट्टानों के भौतिक गुण। विरूपण-ध्वन और बलन—उनकी यांत्रिक प्राथमिक संरचना। संरक्षण शक्त और जोड़। बलन अन्तवर्धी और लक्षण गुम्बद। संस्तरों के क्षीर्ष तथा तल की पहचान। विषय दिव्याम पटल विरूपण। गैल सविन्यासी विरूपण।

घ—स्तरिकी—स्तरिकी के सिद्धांत तथा नामपद्धति। विश्व स्तरिकी तथा पुराभूगोल की रूपरेखाएँ। भूविज्ञान की विभिन्न प्रणालियों के प्ररूप अनुमान। गोंडवाना प्रणाली तथा गोंडवाना महाखण्ड।

भारतीय उपमहादीप (भारत, पाकिस्तान तथा बंगला देश) की स्तरिकी तथा पुराभूगोल प्रमुख भारतीय शैल समूह में संबंध। भारतीय स्तरिकी में काल विषयक समस्याएँ।

ङ—पुराभूगोल (क) जीवाश्म, उनके प्रकार, संरक्षण, पद्धति तथा प्रयोग। अकशकियों का आकृति-विज्ञान, वर्गीकरण तथा भूविज्ञान संबंधी इतिहास, प्रवाल, भजपाद, पटल कलम, एमीनाइटीज जैठरपाद, ट्राइलोहा-टजि गूल चर्मी प्रोटोलाईड्स और फार्मिनीफर्स।

(ख) गोंडवाना तथा शिवालिक प्राणिजात पर बल देती हुए कशकियों के प्रमुख समूह। मानक हाथी तथा घोड़ा का विकास व्रत।

(ग) गोंडवाना वनस्पति पर बल सहित जीवाश्म वनस्पति तथा इसका महत्व और वितरण।

(घ) मुख्य पुराभूगोल : फोरमिनीफराइड्स के विशेष संदर्भ में इसका महत्व उनकी परिस्थिति विज्ञान तथा पुरास्थिति विज्ञान।

(3) भूविज्ञान प्रश्न पत्र 2 (कोड 03)

क—क्रिस्टल विज्ञान

क्रिस्टलों के सममिति तत्व तथा वर्गीकरण। प्रक्षेत्र—गोलीय तथा त्रिभिर् 3:2 कनाप (चिन्दु समूह)। यमलम तथा क्रिस्टल अपूर्णता।

ख—वर्णनात्मक खनिज विज्ञान

खनिजों के भौतिक रसायनिक वैद्युत चुम्बकीय तथा तापीय गुण धर्म। सिजिकोटी की संरचना तथा वर्गीकरण।

मालिबीन ग्रुप, गार्मेट ग्रुप, एमिबोट ग्रुप और मलिलाइट ग्रुप । जरकान, स्कीन, सिलिमनाइट, एन्हालसाइट, कायनाइट, पुखराज, स्टारोनाइट बैरिल, काडिग्राइट, दूर मैलीन । पाइराक्सीन ग्रुप और एम्फिबोल ग्रुप । बोलेस्टोनाइट और रोबोनाइट ग्रुप तथा स्क्वो लाइट ग्रुप । आक्साइड्स हाइड्रोक्साइड्स फ्लुएस्पायर ग्रुप मिलिका मिनटल्स फेल्सपाइड ग्रुप । जिथो लाइट ग्रुप तथा स्क्वो लाइट ग्रुप । आक्साइड्स, हाइड्रोक्साइड्स कार्बोनेट्स फास्फेट हैलाइड्स, सरफाइट्स तथा सल्फेट्स ।

ग—प्रकाशित खनिज विज्ञान

प्रकाशिकी के सामान्य सिद्धान्त । प्रकाशिक उप साधन । अपवर्तन, द्विप्रवर्तन, विलोप कोण, बहुवर्णता । प्रकाशिक दीर्घवर्तज, प्रकाशित अक्षीय कोण । प्रकाशन अभिविन्यास परिक्षेपण । प्रकीर्णन । प्रकाशित विसर्गितियां ।

घ—शैल विज्ञान

(1) अग्नेयः स्वरूप संरचना, गठन और वर्गीकरण ग्रेनाइट-ग्रेनोडायोराइट । साइनाइट—नेफेलाइन साइनाइट ग्रेनोडायोराइट-कुलाइट झरलाइट, लैप्रोफायर, पैन्टाइट एप्लाइट, माईजोलाइट कार्बोनाइट । रियोलाइट ट्रेकाइट, डैकाइटों ऐम्फेजाइट तथा बेमाइट ।

मिलिकेट सिस्टम में व्यवस्था निगम तथा साम्यता । विषटक तथा विषटकः तत्त्व । क्रिस्टलीकरण क्रम । अभिक्रिया निद्रांत क्रिस्टलीकरण—अनेकता । विभिन्नता । आरेख । ग्रेनाइटोइड्स मोनोमिनरलिक तथा क्षारीय शैल कार्बोनाटाइट्स पनाटाइट्स तथा लम्प्रोफायरों का उद्गम ।

(2) अवसादी : वर्गीकरण तथा अनावट । अवसादों का मूल । गठन और संरचना । अवसादी शैलों के प्रमुख समूहों का अध्ययन । अवसादों का यांत्रिक विखण्डन । निक्षेपण की पद्धतियां । पुराधारयों तथा द्रोणी विखण्डन । अवसादों का उद्गम क्षेत्र विक्षेपीय पर्यावरण भारी खनिज तथा उनका महत्त्व । शिली भवन तथा प्रसंघनन ।

(3) कार्यान्तरित शैल : कार्यान्तरण के कारण प्ररूप नियंत्रण संरचना, श्रेणी तथा संरक्षण । कार्यान्तरी विभेदन । तत्वांतरण तथा ग्रेनाइटो भवन । अभिसंरचना, कणिकाग्रम, चानोकाइट, बोलाइट्स, विस्ट, नाइसिजेज और हार्नएम्फिसफेल्स । मेडना और ओराजनी के संबंध में कार्यान्तरण ।

ङ—भूरासायन विज्ञान

अवयवों का अन्तरिक्षी बाहुल्य, पृथ्वी का प्रारम्भिक भू-रासायनिक विमर्दन, अवयवों का भू-रासायनिक वर्गीकरण अनुरोध अवयव/जल का रासायन विज्ञान । अवयवों का भूरासायन विज्ञान भू-रासायनिक चक्र तथा भू-रासायनिक पूर्वोक्त के सिद्धांत ।

(4) भू-विज्ञान प्रश्न-पत्र 3 (कोड 04)

क—भारतीय खनिज निक्षेप

निम्नलिखित धातु तथा अधातु अवयवों और खनिजों का भारतीय निक्षेप, जो उनके वितरण, उपस्थिति तथा उद्गम प्रणाली के सम्बन्ध में हो :-

(क) ताँबा, मीसा, जस्त एल्यूमिनियम, मैग्नेशियम, लोहा, मैंगनीज, क्रोमियम, सोना, चाँदी, टंगस्टन तथा मोलिब्डेनम ।

(ख) अन्नक, बाम्बयलाइट, एस्वेस्टस, बेरीटिस, ग्रेफाइट, जिप्सम, गरिक, मूल्यवान तथा अल्पमूल्य खनिज, उच्चतापसह्य खनिज, अवयवों तथा मलिका शिल्प हेतु खनिज, कांच, उर्वरक, सीमेंट प्रत्येक तथा वर्णन उद्योग निर्माणो पत्थर ।

(ग) कोयला, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस तथा परमाणु ऊर्जा खनिज

ख—खनिज अन्वेषण

पृष्ठीय तथा अपृष्ठीय अन्वेषण की पद्धतियां क्षेत्रगत उपस्कर तथा अन्वेषण हेतु क्षेत्रगत परीक्षण, अवस्क निक्षेप का पता देने वाले निदेश, अवस्क निक्षेपों का प्रतिचयन, आसामन और मूल्यंकन । खनिज अन्वेषण में भू-भौतिक भू-रासायनिक तथा भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षणों का अनु-प्रयोग ।

ग—खनिज अर्थशास्त्र

राष्ट्रीय अर्थ-व्यवस्था में खनिजों का महत्त्व । विनिर्माण उद्योगों में विभिन्न खनिजों का प्रयोग । मांग, आपूर्ति और प्रतिस्थापन भारत के प्रमुख खनिजों का उत्पादन तथा मूल्य । खनिज उद्योगों के अन्तर्राष्ट्रीय पहल । सामरिक, कांति और अनिवार्य खनिज । संरक्षण तथा राष्ट्रीय खनिज नीति । खनिज उत्पादन में भारत की स्थिति ।

घ—प्राथमिक भूविज्ञान

खनिज निक्षेप—रूपण प्रक्रिया, स्थानिकीकरण का नियंत्रण तथा वर्गीकरण । आवश्यक धात्विक तथा अधात्विक खनिजों का अध्ययन जो उनकी खनिज्यता, उपस्थिति तथा वितरण के सम्बन्ध में किया गया हो ।

(5) जल-भूविज्ञान (कोड 05)

जल-भूविज्ञान चक्र । भूपर्यटी में जल वितरण । जलीय चक्र में भू-जल आकाशी, मैग्मज और मैग्मीय जल और स्रोतों का उद्भव । जलधारी लक्षणों की दृष्टि से शैलों का वर्गीकरण, जल स्तरिकी एकक । भूजल की उपस्थिति के अनुकूल भू-वैज्ञानिक संरचना, भू-जल क्षेत्र । भू-जल भंडार—जल भर, वितरजलभूत, अक्वीटाइस । जलभरो का वर्गीकरण ।

शैलों के जलवैज्ञानिक गुणधर्म (भू-जल भंडार)—संरभता रिक्ति अनुपात, चुम्बकशीलता, पायगम्यता, स्टोरेटिविटी, आपेक्षिक पराभ, आपेक्षिक धारिता, विसरणशीलता । भू-जल भंडार के गुणधर्मों की पहचान की पद्धतियां—कूप पद्धतियां तथा प्रयोगशाला प्रविधियों के विसर्जन द्वारा चुम्बकशीलता और आपेक्षिक पराभ । स्टोरेटिविटी की पहचान । भू-जल की गति प्रवाह करने वाले बल । भू-जल गति के नियम—डार्सी नियम के भू-जल का पुनर्भरण—कृत्रिम तथा प्राकृतिक, पुनर्भरण के नियंत्रक कारक, भू-जल के सुति और क्षयी प्रयोग ।

भू-जल अन्वेषण की पृष्ठीय तथा उपपृष्ठीय प्रविधियां—भू-वैज्ञानिक तथा भू-भौतिक—जल संतुलन । भू-जल निष्कर्षण की प्रविधियां (कूप-प्ररूप सर्वाधिक उपज हेतु विभिन्न प्रकार के शैल-क्षेत्रों में कूप-निर्माण की पद्धतियां) । विभिन्न प्रकार के प्रयोगों—भर उद्योग तथा सिंचाई संबंधी के सम्बन्ध में भू-जल के रासायनिक के लक्षण, जल प्रदूषण ।

परिशिष्ट—II

उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के बारे में विनियम

ये विनियम उम्मीदवारों की सुविधा के लिए प्रकाशित किए जाते हैं ताकि वे यह अनुमान लगा सकें कि अपेक्षित शारीरिक स्तर के हैं या नहीं । ये विनियम स्वास्थ्य परीक्षकों (मैडिकल एग्जामिनर्स) के मार्ग निर्देशन के लिए भी हैं तथा जो उम्मीदवार इन विनियमों में निर्धारित न्यूनतम अवस्थाओं को पूरा नहीं करता तो उसे स्वास्थ्य परीक्षण द्वारा स्वस्थ घोषित नहीं किया जा सकता । किन्तु किसी उम्मीदवार को इन विनियमों में निर्धारण मानक के अनुसार स्वस्थ न मानते हुए भी स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड को इस बात की अनुमति होगी कि वह लिखित रूप से स्पष्ट कारण देते हुए भारत सरकार की यह अनुमति कर सके कि उक्त उम्मीदवार को सेवा में लिया जा सकता है और इससे सरकार को कोई हानि नहीं होगी ।

यह स्पष्ट रूप से समझ लेना चाहिए कि भारत सरकार को चिकित्सा बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करने के बाव किमी भी उम्मीदवार को अस्वीकृत या स्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार होगा । रक्षा सेवाओं को भूतपूर्व विकलांग कर्मचारियों के मामले में पदों की अपेक्षाओं को देखते हुए स्तर में छूट दी जाएगी ।

1. नियुक्ति के लिए स्वस्थ ठहराए जाने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवारों का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हो और उसमें कोई भी शारीरिक दोष न हो जिससे नियुक्ति के बाद दक्षतापूर्वक काम करने में बाधा पड़ने की सम्भावना हो।

2. भारतीय (एन्वेलोपिंग्टन सल्टिन) जाति के उम्मीदवारों की आयु कम और छाती के घेरे के परस्पर सम्बन्ध के बारे में मेडिकल बोर्ड के ऊपर यह बात छोड़ दी गई है कि वह उम्मीदवारों की परीक्षा में मार्गदर्शन के रूप में जो भी परस्पर सम्बन्ध के आंकड़े सब से अधिक उपयुक्त समझे व्यवहार में लायें। यदि वजन कम और छाती के घेरे में त्रिपमता हो तो जांच के लिए उम्मीदवार को अस्पताल में रखना चाहिए और उसकी छाती का एकल-रे लेना चाहिए। ऐसा करने के बाद ही बोर्ड उम्मीदवार को स्वस्थ प्रथवा अस्वस्थ घोषित करेगा।

3. उम्मीदवार का कव निम्नलिखित विधि में मापा जाएगा :

वह अपने जूते उतार देगा और उस माप वण्ड (स्टेण्डर्ड) से इस प्रकार सटा कर खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव आपस में जुड़े रहें और उसका वजन मित्राय एड्रियां के पांशों के ग्रूटो या किसी और हिस्से पर न पड़े। वह बिन कन्वे सीधा खड़ा होगा और उसकी एड्रियां पिडलियां नितम्ब और कन्वे मापवण्ड के साथ बगे होंगे। उसकी ठोड़ी नीची रखी जाएगी ताकि निरन्तर (बटेवरा आफ दूड लेवल) हारिजेंटल बार (ग्राफी छड़) के नीचे जाए। कद सेंटीमीटरों और प्राप्ते सेंटीमीटरों के भागों में मापा जाएगा।

4. उम्मीदवार की छाती मापने का तरीका इस प्रकार है :—

उसे इस भांति खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव जुड़े हों और उसकी भुजाएं फिर से ऊपर उठी हों। फीते की छाती के निचले हिस्से तक लगाया जाएगा कि इसका ऊपरी किनारा ध्रुवकलक (शॉल्डर ब्लेड) के निम्न कोणों (इन्फेरियर एंगिल्स) के पीछे लगा रहे और वह फीते की छाती के निचले हिस्से पर उसी आड़े मसल (हॉरिजेंटल प्लेन) में रहे। फिर भुजाओं को नीचे किया जाएगा और उन्हें शरीर के साथ सटका रहने दिया जाएगा। किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कन्वे ऊपर या पीछे की ओर न किए जायें ताकि फीता अपने स्थान से हट न जाए। तब उम्मीदवार को कई बार गहरी सांस लेने के लिए कहा जाएगा तथा छाती के अधिक से अधिक फैलाव पर सावधानी से ध्यान दिया जाएगा। और कम से कम और अधिक से अधिक फैलाव सेंटीमीटर में रिकार्ड किया जाएगा जैसे 84-89 86.93.5 आदि। माप रिकार्ड करने समय प्राधी सेंटीमीटर से कम भिन्न (फ्रेक्शन) को नहीं करना चाहिए।

विशेष ध्यान :—अन्तिम निर्णय करने से पूर्व उम्मीदवार का कव और छाती दो बार मापे जाने चाहिए।

5. उम्मीदवार का वजन किया जाएगा और यह किलोग्राम में होगा। प्राधी किलोग्राम का उतका ग्रंथ नोट नहीं करना चाहिए।

6. उम्मीदवार की नजर की जांच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जाएगी। प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा।

(1) सामान्य (जनरल) : किसी रोग या असामान्यता (एबनॉर्मैलिटी) का पता लगाने के लिए उम्मीदवार की आंखों की सामान्य परीक्षा की जाएगी। यदि उम्मीदवार की आंखें ध्रुव या माय लायी संरचनाओं (कॉन्टिगुअस स्ट्रक्चर) का कोई ऐसा रोग हो जो उसे ध्रुव या प्रागे किसी समय सेवा के लिए अयोग्य बना सकता है तो उसको अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

(2) दृष्टि तीक्ष्णता (विजुअल एक्यूइटी) :—दृष्टि तीक्ष्णता का निर्धारण करने के लिए दो तरह की जांच की जायेगी। एक दूर की नजर के लिए और दूसरी नजदीक की नजर के लिए प्रत्येक आंख की अलग-अलग परीक्षा की जायेगी।

अन्तिम के बिना आंख की नजर (नैकड आई विजन) की कोई न्यूनतम सीमा (मिनिमम विजिट) नहीं होगी, किन्तु प्रत्येक मामले में मेडिकल बोर्ड

या अन्य मेडिकल प्राधिकारी द्वारा इसे रिकार्ड किया जाएगा। क्योंकि इससे आंख की हालत के बारे में मूल-सूचना (बेसिक इन्फार्मेशन) मिल जाएगी।

चक्षु के साथ और अन्तिम के बिना दृष्टि तीक्ष्णता का मानक निम्नलिखित होगा :—

	दूर की दृष्टि		निकट की दृष्टि	
	अच्छी आंख	खराब आंख	अच्छी आंख	खराब आंख
35 वर्ष से कम आयु वाले उम्मीदवारों के लिए	6/9	6/9	0.6	0.8
	प्रथवा	प्रथवा		
	6/6	6/12		

टिप्पणी : (1) मायोपिया का कुल परिणाम (मिलेण्डर सहित) 4.00 डी० से अधिक नहीं होना चाहिए। हाइपर मेट्रोपिया का कुल परिणाम (मिलेण्डर सहित) +4.00 डी० से अधिक नहीं होना चाहिए।

टिप्पणी : (2) फंडस परीक्षा : जहां तक सम्भव होगा चिकित्सा बोर्ड की विविधा पर फंडस परीक्षा की जाएगी और परिणाम रिकार्ड किया जाएगा।

टिप्पणी : (3) कलर विजन :

(1) कलर विजन की जांच जरूरी होगी।

(2) नीचे दी गई तालिका के अनुसार रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान उच्चतर (हायर) और (निम्नतर) दोधर ग्रेडों में होना चाहिए। ला लैटन में एपेंडर के आकार पर निर्भर होगा।

ग्रेड	रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान का उच्चतर ग्रेड	रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान का निम्नतर ग्रेड
1. लैंग और उम्मीदवार के बीच की दूरी	4.9 मीटर	4. मीटर
2. द्वारक (एपेंडर) का आकार	1.3 मि० मीटर	1.3 मि० मीटर
3. उद्भाषन काल	5 सेकेंड	5 सेकेंड

भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण के सम्बद्ध भू-विज्ञानी (कनिष्ठ) तथा सहायक भू-विज्ञानी तथा केन्द्रीय भोम-जल बोर्ड से सम्बद्ध कनिष्ठ जल भू-विज्ञानी तथा सहायक जल भू-विज्ञानी के पदों के लिए रंग प्रत्यक्ष ज्ञान तथा आंखों से सम्बन्धित सभी चिकित्सा मानकों का स्तर उंचा होगा।

7. रक्त दाब (ब्लड प्रेशर) :

(III) लाल रक्त, हरे रक्त, और रंग को आसानी से और हिबिटाइट के बिना पहचान लेना संतोषजनक कलर विजन है इतिहास के प्लेटों के इस्तेमाल को जिन्हें एडिज ग्रोन की प्लेटें जैसी उपयुक्त प्लेटें और उसकी रोगनी में दिखाया जाता है कलर विजन की जांच करने के लिए बिल्कुल विषयसनीय समझा जाएगा। जैसे तो दोनों आंखों में से किसी से एक जांच को साधारण तथा पर्याप्त समझा जा सकता है। लेकिन, मड़क, रेल और हवाई यातायात से संबंधित सेवाओं के लिए प्लेटों से जांच करना लाजमी है। एक वाले मामले में जब उम्मीदवार को किसी एक जांच करने पर अयोग्य पाया जाए तो दोनों ही तरीकों से जांच करनी चाहिए।

टिप्पणी : (4) दृष्टि क्षेत्र (फील्ड आफ विजन) : सम्मुख विधि (कन्फ्रंटेशन मैथड) द्वारा दृष्टि क्षेत्र की जांच की जाएगी। जब ऐसी जांच का तमीजा अंतोषजनक या संदिग्ध हो तब क्षेत्र की परमापी (पेरामीटर) पर निर्धारित किया जाना चाहिए।

टिप्पणी: (5) स्तौषी (नाइट ब्लाइन्डनेस): केवल विशेष मामलों को छोड़कर स्तौषी की जांच नेमी रूप से जरूरी नहीं है। स्तौषी में दिखाई न देने की जांच करने के लिए कोई स्टैंडर्ड टेस्ट निर्धारित नहीं है। मेडिकल बोर्ड को ही ऐसे काम बलाउ टेस्ट कर लेने चाहिए जैसे रोगी की कम करके या उम्मीदवार को अंधेरे कमरे में तारकर 20 से 30 मिनट के बाद उससे विविध चीजों की पहचान करवा कर दृष्टि तीक्ष्णता रिकार्ड करना। उम्मीदवारों के कहने पर ही हमेशा विश्राम नहीं करना चाहिए किन्तु उन पर उचित विचार किया जाना चाहिए।

टिप्पणी: (6) दृष्टि की तीक्ष्णता से भिन्न आंख की विशालता (आक्स्युलर कन्डीशन्स):

(क) आंख की अंग सम्बन्धी बीमारी को या बढ़ती हुई अपवर्तन वृद्धि (रिफ्रैक्टिव एरर) को, जिसके परिणामस्वरूप दृष्टि की तीक्ष्णता से कम होने की संभावना हो, अयोग्यता का कारण समझना चाहिए।

(ख) रोहे (ट्रकोमा): रोहे जब तक भयानक न हों साधारणतः अयोग्यता का कारण नहीं समझना चाहिए।

(ग) भौगापन: जहाँ दोनों आंखों की दृष्टि, का होना जरूरी है भौगापन अयोग्यता माना जाएगा, चाहे दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की ही क्यों न हो।

(घ) एक आंख वाला व्यक्ति: एक आंख वाले व्यक्ति की नियुक्ति हेतु अनुशंसा नहीं की जाएगी।

7. रक्त दाब (ब्लड प्रेशर):

ब्लड प्रेशर के सम्बन्ध में बोर्ड अपने नियम से काम लेगा। नामेल मैक्सिमम सिस्टोलिक प्रेशर के आकलन की काम चलाऊ विधि निम्न प्रकार है:—

(1) 15 से 55 वर्ष के युवा व्यक्तियों में शीतल ब्लड प्रेशर लगभग 100 आयु होता है।

(2) 25 वर्ष से ऊपर की आयु वाले व्यक्तियों में ब्लड प्रेशर के आकलन में 110+ आयु का सामान्य नियम क्रिष्णुन संतोषजनक दिखाई पड़ता है।

विशेष ध्यान: सामान्य नियम के रूप में 140 एम० एम० के उपर सिस्टोलिक प्रेशर और 90 एम० एम० के उपर डायस्टोलिक प्रेशर को संक्षिप्तता मान लेना चाहिए और उम्मीदवार को अयोग्य या योग्य ठहराने के सम्बन्ध में अपनी अंतिम राय देने से पहले बोर्ड को चाहिए कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखें। अस्पताल में रखने की रिपोर्ट में यह भी पता लगना चाहिए कि बबराहट (एक्साइजेंट) आदि के कारण ब्लड प्रेशर बोर्डे समय रहने वाला है या इसका कारण कोई कापिक (आर्गेनिक) बीमारी है। ऐसे सभी मामलों में हृदय का एक्सरे और इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफी जांच रक्त यूरिया निकाम (क्लियरेंस) की जांच भी नमी तौर पर की जानी चाहिए। फिर भी उम्मीदवार के योग्य होने या न होने के बारे में अंतिम फैसला मेडिकल बोर्ड ही करेगा।

ब्लड प्रेशर (रक्त दाब) लेने का तरीका:

नियमित: पाग वाले दाबमापी (मर्करी मानोमीटर) किस्म का उपकरण (इंस्ट्रूमेन्ट) इस्तेमाल करना चाहिए। किसी किस्म व्यायाम या बबराहट के बाद पंद्रह मिनट तक रक्त दाब नहीं लेना चाहिए। रोगी बैठ या लेटा हो बगलें कि वह और विशेषकर उसकी बांह शिथिल और आराम से हों। बांह थोड़ी बहुत हॉरिजेंटल स्थिति में रोगी के पार्श्व पर ही तथा उसके कंधे से कपड़ा उतार देना चाहिए। कफ में से पूरी तरह हवा निकाल कर बीच की खड़ की मुजा के अन्तर की ओर रख कर और उसके निचले किनारों को कोहनी के मोड़ से एक या दो इंच ऊपर करके लगाना चाहिए। इसके बाद कपड़ को पट्टी की

फैला कर समान रूप से खपेटना चाहिए ताकि हवा भरने पर कोई हिस्सा फूलकर बाहर को न निकले।

कोहनी के मोड़ पर बाहु धमनी (ब्रेकिअल आर्टरी) को दबा-दबा कर ढूंढा जाता है और तब इसके ऊपर बोल्स-बीच स्टेथोस्कोप को हल्के से लाया जाता है जो कफ के साथ न लगे। कफ में लगभग 200 एम० एम० जी० हवा भरी जाती है और इसके बाद इसमें से धीरे-धीरे हवा निकाली जाती है। हृत्की क्रमिक ध्वनियां सुनाई पर जिस स्तर पर पारे का कालम टिका होता है वह सिस्टोलिक प्रेशर दर्शाता है, जब और हवा निकाली जाएगी तो और तेज ध्वनियां सुनाई पड़ेंगी। जिस स्तर पर ये साफ और अच्छी सुनाई पड़ने वाली ध्वनियां हृत्की दबी हुई सी लुप्त प्रायः हो जाएं यह डायस्टोलिक प्रेशर है। ब्लड प्रेशर काफी थोड़ी अवधि में ही लेना चाहिए क्योंकि कफ के लम्बे समय का दबाव रोगी के लिए क्षोभकारी होता है और इससे रीडिंग गलत होती है। यदि दोबारा पड़ताल करनी जरूरी हो तो कफ में से पूरी हवा निकाल कर कुछ मिनट के बाद ही ऐसा किया जाए। कभी-कभी कफ में से हवा निकालने पर एक निश्चित स्तर पर ध्वनियां सुनाई पड़ती हैं; बाव गिरने पर ये गायब हो जाती हैं तथा निम्न स्तर पर पुनः प्रकट हो जाती हैं। इस 'साइलेंट गैप' से रीडिंग में गलती हो सकती है।

8. परीक्षक की उपस्थिति में किए गए मूत्र की ही परीक्षा की जानी चाहिए और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। जब मेडिकल बोर्ड को किसी उम्मीदवार के मूत्र में रासायनिक जांच द्वारा शक्कर का पता चले तो बोर्ड इसके सभी पहलुओं की परीक्षा करेगा और मधुमेह (डायबिटीज) के घातक चिह्न और लक्षणों को भी विशेष रूप से नोट करेगा। यदि बोर्ड उम्मीदवार को ग्लूकोज मेह (ग्लाइकोसुरिया) के सिवाय, अपेक्षित मेडिकल फिटनेस के स्टैंडर्ड के अनुरूप पाए तो वह उम्मीदवार को इस शर्त के साथ फिट घोषित कर सकता है इसका ग्लूकोज मेह (अमधुमेही नाम डायबेटिक) है और बाई इस केग का मेडिसन के किसी ऐसे निदिष्ट विशेषज्ञ के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल और प्रयोगशाला की सुविधाएँ हों। मेडिकल विशेषज्ञ स्टैंडर्ड ब्लड शुगर टॉलरेंस टेस्ट समेत जो भी क्लिनिकल या लेबोरेटरी परीक्षाएँ जरूरी समझेगा, करेगा और अपनी रिपोर्ट मेडिकल बोर्ड को भेज देगा जिस पर मेडिकल बोर्ड का "फिट" "अनफिट", की अंतिम राय आधारित होगी। दूसरे अवसर पर उम्मीदवार के लिए बाउ के गायन स्थल उपस्थित होना जरूरी नहीं होगा। औपचिक के प्रभाव का समापन करने के लिए यह जरूरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कई दिन तक अस्पताल में पूरी देख-रेख में रखा जाए।

9. यदि जांच के परिणामस्वरूप कोई महिला उम्मीदवार 12 हफ्ते या इससे अधिक समय की गर्भवती पायी जाती है तो उसकी अस्थायी रूप से तब तक अस्वस्थ घोषित किया जाना चाहिए जब तक कि उसका प्रसव पूरा न हो जाए। किसी रजिस्टर्ड चिकित्सा व्यवसायी का स्वस्थता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर, प्रसूति की तारीख से 6 हफ्ते बाद अयोग्य प्रमाण-पत्र के लिए उसकी फिर से स्वस्थता परीक्षा की जानी चाहिए।

10. निम्नलिखित अतिरिक्त बातों पर ध्यान दिया जाना चाहिए:

(क) उम्मीदवार को दोनों कानों से अच्छा सुनाई पड़ता है और उसके कान में बीमारी का कोई चिह्न नहीं है। यदि कोई कान की खराबी हो तो उसकी परीक्षा कान-विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिए। यदि सुनने की खराबी का इलाज शल्य क्रिया आपरेशन या डिपारिंग एंड के इस्तेमाल से हो सके तो उम्मीदवार का हम आधार पर अयोग्य घोषित नहीं किया जा सकता बगलें कि कान की बीमारी बढ़ते वाली न हो। यह उपबन्ध भारतीय रेल, भण्डार सेवा के अलावा अन्य रेल सेवाओं, सेना इंजीनियरी सेवा, गार इंजीनियरी सेवा, युग के गार याना-यात्र सेवा ग्रुप 'ख', केन्द्रीय इंजीनियरिंग सेवा ग्रुप 'क' और केन्द्रीय वैमान

इंजीनियरी सेवा ग्रुप पर लागू नहीं है। चिकित्सा परीक्षा प्राधिकारी के मार्गदर्शन के लिए इस संबंध में निम्नलिखित जानकारी दी जाती है :

1	2	3
(1) एक कान में प्रकट श्रवण पूर्ण	यदि फ्रिक्वेंसी में बहुरापन 30 बहुरापन, दूसरा कान सामान्य डेसिबल तक हो तो गैर तकनीकी होगा।	काम के लिए योग्य।
(2) दोनों कानों में बहुरापन का प्रत्यक्ष बोध, जिसमें श्रवण यंत्र (हियरिंग एड) द्वारा कुछ सुधार संभव हो।	यदि 1000 से 4000 तक की स्पीच-फ्रिक्वेंसी में बहुरापन 30 डेसिबल तक हो तो तकनीकी तथा गैर तकनीकी दोनों प्रकार के काम के लिए योग्य।	
(3) सेंट्रल श्रवण माजिनल टेस्ट के डिमपेनिक मेम्ब्रेन छिद्र।	(1) एक कान सामान्य हो दूसरे कान से डिमपेनिक मेम्ब्रेन में छिद्र हो तो अस्थायी आधार पर आयोज्य। कान की शल्य चिकित्सा की स्थिति सुधारने से दोनों कानों में माजिनल या अन्य छिद्र वाले उम्मीदवारों को अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित करके उस परतीचे दिए गए नियम 4(2) के अधीन विचार किया जा सकता है। (2) दोनों कानों में माजिनल या एटिक छिद्र होने पर अयोग्य। (3) दोनों कानों में से सेंट्रल छिद्र होने पर अस्थायी रूप से अयोग्य।	
(4) कान के एक ओर से/दोनों ओर से मस्टायड कैविटी से सब-नार्मल श्रवण।	(1) किसी एक कान से सामान्य रूप में एक ओर से मस्टायड कैविटी से सुनाई देना हों दूसरे कान से सब-नार्मल श्रवण वाले कान/मस्टायड कैविटी होने पर तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कानों के लिए योग्य। (2) दोनों ओर से मस्टायड कैविटी तकनीकी काम के लिए अयोग्य यदि किसी भी कान की श्रवणता श्रवण-यंत्र लगाकर श्रवण बिना लगाए सुधार कर 30 डेसीबल हो जाने पर गैर-तकनीकी कामों के लिए योग्य।	
(5) बढ़ते रहने वाला कान आपरे-शन किया गया/बिना आप-रेशन वाला।	तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कामों के लिए अस्थायी रूप से अयोग्य।	
(6) नासापुट की हड्डी सम्बंधी विष-मताग्रों (बोनी डिफार्मिटी) सहित श्रवण उससे रहित नाक की जीर्ण प्रदाहक एलर्जिक दशा।	(1) प्रत्येक मामले की परि-स्थितियों के अनुसार निर्णय लिया जाएगा। (2) यदि लक्षणों सहित नासापुट अपवर्ण विद्यमान होने पर अस्थायी रूप से आयोज्य।	

1	2	3
(7) टॉसिल और/अथवा स्वरयंत्र (लेन्स) की जीर्ण प्रदाहक दशा।	(1) टॉसिल और/अथवा स्वर-यंत्र की जीर्ण प्रदाहक दशा योग्य। (2) यदि आवाज में अत्यधिक कर्कशता विद्यमान हो तो अस्थायी रूप से अयोग्य।	
(8) कान, नाक, गले (ई० एन० टी०) के हल्के श्रवण अंगे स्थान पर दुर्बल द्युमर।	(1) हल्का द्युमर--अस्थायी रूप से अयोग्य। (2) दुर्बल द्युमर--अयोग्य।	
(9) आस्टाइनोसिस	श्रवण यंत्र की सहायता से या आपरेशन के बाद श्रवणता 30 डेसिबल के अन्दर होने पर योग्य।	
(10) कान, नाक अथवा गले के जन्म-जात दोष।	(1) यदि काम काज में बाधक न हों तो योग्य। (2) भारी मात्रा में हकलाहट हो तो अयोग्य।	
(11) नेजल पोलि	अस्थायी रूप से अयोग्य।	
(ख) उम्मीदवार बोलने में हकलाता/हकलाती नहीं हो।		
(ग) उसके दाँत अच्छी हालत में हों, या नहीं, और अच्छी तरह चबाने के लिए जरूरी होने पर तकनीकी बात लगे है या नहीं। (अच्छी तरह भरे हुए दाँतों को ठीक समझा जाएगा)।		
(घ) उसकी छाती की बनावट अच्छी है या नहीं और छाती काफी फैलती है या नहीं तथा उसका दिल या फेफड़े ठीक हैं या नहीं।		
(ङ) उसे पेट की कोई बीमारी है या नहीं।		
(च) उसे रण्णर है या नहीं।		
(छ) उसे हाइड्रोसिल बढी हुई बरिकोसिल, बेरिकाजिशरा (बेन) या बवासीर है या नहीं।		
(ज) उसके अंगों, हाथों और पैरों की बनावट और विकास अच्छा है या नहीं और उसकी श्रवणों मसी भाति स्वतंत्र रूप से हिलती हैं या नहीं।		
(झ) उसके कोई चिरस्थायी रक्ता की बीमारी है या नहीं।		
(ञ) कोई जन्मजात कुरचना या दोष है या नहीं।		
(ट) उगमें किसी उग्र या जीर्ण जोमारी के निशान हैं या नहीं जिनसे कमजोर गठन का पता लगे।		
(ड) कारगर टीके के निशान हैं या नहीं।		
(ड) उसे कोई संचारी (कम्प्युनिकेबल) रोग है या नहीं।		

11. बिल और फेफड़े की किसी ऐसी विलक्षणता का पता लगाने के लिए जो साधारण शारीरिक परीक्षा से जात न हो, सभी मामलों में नेसी रूप से छाती की एकसरे परीक्षा की जानी चाहिए।

जब कोई दोष मिले तो उसे प्रमाण-पत्र में अवश्य ही मोट किया जाए। मेडिकल परीक्षक को अपनी राय बिना बोनी चाहिए कि उम्मीदवार से अपेक्षित दक्षतापूर्वक ड्यूटी में इससे बाधा पड़ने की संभावना है या नहीं।

टिप्पणी :- उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि उपर्युक्त सेवाओं के लिये उनकी योग्यता का निर्धारण करने के लिए नियुक्त स्पेशल या स्टैंडिंग मेडिकल बोर्ड के खिलाफ उन्हें अपील करने के लिए कोई हक नहीं है, किन्तु यदि सरकार को प्रथम बोर्ड की जांच में निर्णय की गलती की संभावना के संबंध में प्रस्तुत किए गए प्रमाण के बारे में तसल्ली हो जाए तो सरकार दूसरे बोर्ड के सामने एक अपील की इजाजत दे सकती है। ऐसा प्रमाण उम्मीदवार को प्रथम मेडिकल बोर्ड के निर्णय में जने की तारीख से एक महीने के अन्दर पेश करना चाहिए वरना दूसरे मेडिकल बोर्ड के सामने अपील करने की प्रार्थना पर विचार नहीं किया जाएगा।

यदि प्रथम बोर्ड के निर्णय की गलती की संभावना के बारे में प्रमाण के रूप में उम्मीदवार मेडिकल प्रमाण पत्र पेश करे तो इस प्रमाण-पत्र पर उस हालत में विचार नहीं किया जाएगा जब कि उसमें संबंधित मेडिकल प्रेक्टिशनर का इस आशय का नोट नहीं होगा कि यह प्रमाण-पत्र इस तथ्य के पूर्ण ज्ञान के बाद ही दिया गया है कि उम्मीदवार पहले से ही सेवाओं के लिये मेडिकल बोर्ड द्वारा अयोग्य घोषित करके अस्वीकृत किया जा चुका हो।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

मेडिकल परीक्षक के मार्ग दर्शन के लिये निम्नलिखित सूचना दी जाती है :—

शारीरिक योग्यता (फिटनेस) के लिए अपनाये जाने वाले स्टैंडर्ड से संबंधित उम्मीदवारों की आयु और सेवा काल (यदि हो) के लिए उचित गुंजाइश रखनी चाहिए। किसी ऐसे व्यक्ति को पब्लिक सविस में भर्ती के लिये योग्य नहीं समझा जाएगा, जिसके बारे में यथास्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी (अपार्टिंग अथॉरिटी) को यह तसल्ली नहीं है कि उसे कोई ऐसी बीमारी या शारीरिक दुर्बलता (बाजिली इन्फेक्शन) नहीं है जिससे वह उरा सेवा के लिये अयोग्य हो या उसके अयोग्य होने की संभावना हो।

यह बात समझ लेनी चाहिए कि योग्यता का प्रश्न भविष्य में भी उसना ही सम्बन्ध है जितना वर्तमान से है और मेडिकल परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य निरन्तर कारगर सेवा प्राप्त करना और स्थायी नियुक्ति के उम्मीदवारों के मामले में अकाल मृत्यु होने पर समय पूर्व पेंशन या अदायगियों को रोकना है। साथ ही यह भी नोट कर लिया जाए कि यही प्रश्न केवल निरन्तर कारगर सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार की अस्वीकृत करने की सलाह इस हाल में नहीं दी जानी चाहिए जबकि उसमें कोई ऐसा दोष हो जो केवल कम परिस्थितियों में निरन्तर कारगर सेवा में बाधक पाया गया हो।

महिला उम्मीदवार की परीक्षा के लिये किसी लेडी डाक्टर को मेडिकल बोर्ड के सचिव के रूप में सहयोजित किया जाएगा।

जो उम्मीदवार भू-विज्ञानी (कमिन्ड) और सहायक भू-विज्ञानी के पदों पर नियुक्त किये जायेंगे उन्हें भारत में या भारत से बाहर क्षेत्रगत कार्य करना होगा। ऐसे उम्मीदवार के मामले में चिकित्सा बोर्ड को अपना मत स्पष्ट रूप से व्यक्त करना चाहिए कि वह क्षेत्रगत कार्य के लिये योग्य है या नहीं।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्टें गोपनीय रखनी चाहिए।

ऐसे मामलों में जबकि कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिये अयोग्य करार दिया जाता है तो मोटे तौर पर उसके अस्वीकार किये जाने के आधार पर उम्मीदवार को बताए जा सकते हैं। किन्तु मेडिकल बोर्ड ने जो खराबी बताई हो उसका विस्तृत ब्योरा नहीं दिया जा सकता है।

ऐसे मामलों में जहां मेडिकल बोर्ड का यह विचार हो कि सरकारी सेवा के लिये उम्मीदवार के अयोग्य बनाने जाने वाली छोटी-मोटी खराबी

चिकित्सा (मेडिकल या सजिकल) द्वारा दूर हो सकती है वहां मेडिकल द्वारा इस आशय का कथन रिकार्ड किया जाना चाहिए।

नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार को बोर्ड की राय सूचित किये जाने में कोई आपत्ति नहीं है जब वह खराबी दूर हो जाए तो एक दूसरे मेडिकल बोर्ड के नामने उस व्यक्ति को उपस्थित होने के लिए कहने में संबंधित प्राधिकारी स्वतंत्र है।

यदि कोई उम्मीदवार अस्थाई तौर पर अयोग्य करार दिया जाए तो दुबारा परीक्षा की अवधि साधारणतया कम से कम छह महीने से कम नहीं होनी चाहिए। निश्चित अवधि के बाद जब दुबारा परीक्षा की जाए तो ऐसे उम्मीदवारों को और आगे की अवधि के लिये स्थायी तौर पर अयोग्य घोषित न कर नियुक्ति के लिये उनकी योग्यता के संबंध में अथवा वे इस नियुक्ति के लिये अयोग्य हैं ऐसा निर्णय अंतिम रूप से दिया जाना चाहिए।

(क) उम्मीदवार का कथन और घोषणा :

अपनी मेडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवारों को निम्नलिखित अपेक्षित स्टेटमेंट देनी चाहिए और उसके साथ लगी हुई घोषणा (डिक्लेरेसन) पर हस्ताक्षर करने चाहिए। नीचे दिये हुए नोट में, उल्लिखित चेतावनी की ओर उस उम्मीदवार को विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए।

1. अपना नाम पूरा लिखें—

(साफ अक्षरों में)

2. अपनी आयु और जन्म स्थान बताएं—

3. (क) क्या आप गोरखा, गढ़वाली, असमी, नागालैण्ड जन जाति आदि में से किसी जाति से संबंधित हैं जिसका औसत कब दूसरों से कम होता है। “हां” या “नहीं” में उत्तर दीजिए। उत्तर हां में हो तो उस जाति का नाम बताइए।

(ख) क्या आपको कभी चेचक, रुक रुक कर होने वाला कोई दूसरा बुखार, ग्रंथियां (ग्लैंड्स) का बढ़ना या इनमें पीप पड़ना, थूक से खून आना, दमा, दिल की बीमारी, फेफड़े की बीमारी, मूछों के दौरे, रुमेटिज्म एंजिसाइटिस हुआ है?

(ग) क्या दूसरी ऐसी कोई बीमारी या दुर्घटना, जिसके कारण श्रम पर लेटे रहना पड़ा हो और जिसका मेडिकल या सजिकल इलाज किया गया हो, हुई है?

4. आपको चेचक आदि का टीका आखिरी बार कब लगा था?

5. क्या आपको अधिक काम या किसी दूसरे कारण से किसी किस्म की अधिरता (नर्वसनेस) हुई।

6. अपने परिवार के संबंध में निम्नलिखित ब्योरा दें :—

यदि पिता जीवित हो तो उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	मृत्यु के समय पिता की आयु और मृत्यु का कारण	आपके कितने भाई जीवित हैं उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपके कितने भाईयों की मृत्यु हो चुकी है, उनकी आयु और मृत्यु का कारण
--	---	--	--

यदि माता जीवित हो तो उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	मृत्यु के समय माता की आयु और मृत्यु का कारण	आपकी कितनी बहनें जीवित हैं और उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपकी कितनी बहनों की मृत्यु हो चुकी है मृत्यु के समय उनकी आयु और मृत्यु का कारण
--	---	---	--

7. क्या इसके पहले किसी मेडिकल बोर्ड ने आपकी परीक्षा की है ?
8. यदि ऊपर का उत्तर हाँ में हो तो बताएं कि सेवा/किन सेवाओं के लिये आपकी परीक्षा की गई थी ?
9. परीक्षा लेने वाला प्राधिकारी कौन था ?
10. कब और कहाँ मेडिकल बोर्ड हुआ—
11. मेडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपको बनाया गया हो अथवा आपको मालूम हो—
- में धोषित करता हूँ कि जहाँ तक मेरा विश्वास है ऊपर दिये गये सभी जवाब सही और ठीक हैं।
- उम्मीदवार के हस्ताक्षर
- मेरे सामने हस्ताक्षर
- किए—
- बोर्ड के अध्यक्ष के
- हस्ताक्षर—

नोट :—उपर्युक्त कथन की यथार्थता के लिये उम्मीदवार जिम्मेदार होगा। जानबूझकर किसी सूचना को छुपाने से वह नियुक्ति को बैठने का जोखिम लेगा और यदि वह नियुक्त हो भी जाए तो बायेंस निवृत्ति भत्ता (सुपरानुगमन) अलाउंस या उपदान (ग्रेजुएट) के सभी दावों से हाथ धो बैठेगा।

(ख) ————— (उम्मीदवार का नाम) की शारीरिक परीक्षा का मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट—

1. सामान्य विकास ————— अच्छा ————— बीज का ————— पोषण पतला ————— औसत ————— मोटा ————— का कष्ट (जूने उतार कर) ————— वजन में कोई हाल ही में हुआ परिवर्तन —————

सापमान : —————

छाती का घेरा —————

- (1) पूरा सांस खींचने पर —————
- (2) पूरा सांस निकालने पर —————
2. त्वचा—कोई बाहरी बीमारी
3. नेत्र :—

- (1) कोई बीमारी —————
- (2) रतींधी —————
- (3) कलर विजन का बोध —————
- (4) दृष्टि के क्षेत्र (फील्ड ऑफ विजन) —————
- (5) पील्स की जाँच —————
- (6) दृष्टि तीक्ष्णता (विजुअल एक्वीटी) —————
- (7) त्रिभुज संगलन की योग्यता —————

दृष्टि की तीक्ष्णता	चश्मों के बिना	चश्मों से चश्मों की पानर गोल मल्लिक्सस
दूर की नजर	बा० ने० बा० ने०	
पास की नजर	बा० ने० बा० ने०	
हाइपरमेट्रोपिया (व्यक्त)	बा० ने०	

4. कान : निरीक्षण ————— सूचना
दायाँ कान ————— बायाँ कान —————
5. ग्रंथियाँ ————— पार्श्वराष्ट्र —————

6. दाँतों की हालत —————
7. श्वसन तंत्र (रेस्पिरैटरी सिस्टम)—का शारीरिक परीक्षण करने पर सांस के ग्रंथों से किसी असमानता का पता लगा है। यदि पता लगा है तो असमानता का पूरा ब्यौरा दें—
8. परिसंचरण तंत्र (सरकुलैटरी सिस्टम)
(क) हृदय और धातविक गति (आर्गेनिक लीजन)
गति (रेट):
खड़े होने पर

25 बार कुदाए जाने के बाद—
कुदाए जाने के 2 मिनट बाद —

(ख) ब्लड प्रेशर ————— सिस्टोलिक —————
डायस्टोलिक —————

9. उदर (पेट) घेरा ————— स्पर्शता
हानियाँ—

(क) बनाकर मालूम पड़ता : जिगर—
तिल्ली— गुर्दे —

द्यूमर —————
(ख) रक्तताप —————
मगंदर —————

10. संज्ञिका तंत्र (नर्वस सिस्टम) संज्ञिका या मानसिक असामान्यता का संकेत —

11. चाल तंत्र (लोकोमोटर सिस्टम):
कोई असामान्यता —

12. जमन मल तंत्र (जैनेटी यूरिनरी सिस्टम) —
हाइड्रोसेल, बेरिकोमोल आदि का कोई संकेत :

- मूत्र परीक्षा :—
(क) कैसा दिखाई पड़ता है ?
(ख) उपेक्षित गुणत्व (स्पेसिफिक ग्रेविटी)
(ग) एल्ब्यूमिन
(घ) शक्कर
(ङ) कास्टस
(च) कोशिकाएँ (सेल)

13. छाती के एकसरे परीक्षा की रिपोर्ट—

14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी बात है जिससे वह इस सेवा को दृष्टि की दक्षतापूर्वक निभाने के लिये अयोग्य हो सकता है।

नोट :—मजिस्ट्रेट उम्मीदवार के मामले में, यदि यह पाया जाता है कि वह 12 मिनट भराव उतने अधिक समय गतिशील है तो उसे अस्थाई रूप से अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए (वेबे) विनियम 9।

15. (क) उम्मीदवार परीक्षा कर लिये जाने के किन सेवाओं से कार्य के दक्ष तथा मजबूत निष्पादन हेतु सभी प्रकार से योग्य पाया गया है और किन सेवाओं के लिये यह अयोग्य पाया गया है।

(ख) क्या उम्मीदवार क्षेत्रजन सेवा के लिये योग्य है।

नोट—बोर्ड को अपना निर्णय विस्तारित तीन वर्गों में से किसी एक में रिकार्ड करना चाहिए।

- (i) योग्य
(ii) ————— के कारण योग्य
(iii) ————— के कारण अस्थाई रूप से अयोग्य

स्थान ————— अध्यक्ष —————
शारीक ————— सदस्य —————

परिशिष्ट III

इस परीक्षा के आधार पर जिन पदों के लिये भर्ती की जा रही है उनके संबंध में संक्षिप्त विवरण।

भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण

(1) भू-विज्ञान (कनिष्ठ) ग्रुप 'क':

(क) नियुक्ति के लिये चुने गये उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिये परीक्षा पर रहना होगा। आवश्यक होने पर यह अवधि बढ़ाई भी जा सकती है।

(ख) परीक्षा अवधि के दौरान उम्मीदवार को प्रशिक्षण और शिक्षण का ऐसा कोर्स पूरा करना होगा और ऐसी परीक्षा तथा परीक्षण उत्तीर्ण करने होंगे जो सक्षम अधिकारी द्वारा विहित किए जाएं।

(ग) भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण में निर्धारित वेतनमान:

(i) भूविज्ञानी (कनिष्ठ) (कनिष्ठ वेतनमान) रु० 700-40-900-२० रो०-40-1100-50-1300 ।

(ii) भूविज्ञानी (वरिष्ठ) (वरिष्ठ वेतनमान) रु० 1100-50-1600 ।

(iii) निदेशक (भू-विज्ञानी)—रु० 1500-60-1800-100-2000 ।

(iv) उप महानिदेशक/(भूविज्ञानी)—रु० 2250-125/2-2500 ।

(v) वरिष्ठ उप महानिदेशक (परिचालन)—रु० 2500-125/2750 ।

(vi) महानिदेशक—रु० 3000 (नियत) ।

(घ) सरकार द्वारा समय-समय पर आशोधित किए गए भर्ती नियमों के अनुसार विभाग में पदों के उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति की जाएगी।

(ङ) सेवा और अवकाश तथा पेंशन की शर्तें वही होंगी जो सरकार द्वारा समय-समय पर आशोधित मूल नियमों तथा सिविल सेवा विनियमों से उल्लिखित हैं।

(च) सरकार द्वारा समय-समय पर आशोधित सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवाएं) नियमावली में उल्लिखित शर्तों के अनुसार भविष्य निधि की शर्तें लागू होंगी।

(छ) भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण के समस्त अधिकारियों को भारत के किसी भी भाग में या भारत से बाहर कार्य करना पड़ सकता है।

(2) सहायक भू-विज्ञानी ग्रुप 'ख'

(क) नियुक्ति हेतु, चुने गये उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा। यदि आवश्यकता हुई तो यह अवधि बढ़ाई भी जा सकती है।

(ख) परीक्षा अवधि के दौरान उम्मीदवार को प्रशिक्षण और शिक्षण का ऐसा कोर्स पूरा करना होगा और ऐसी परीक्षा तथा परीक्षण उत्तीर्ण करने होंगे जो सक्षम अधिकारी द्वारा विहित किए जाएं।

(ग) वेतन का निर्धारित वेतनमान : रु० 650-30-740-35-810-२० रो०-35-880-40-1000-२० रो०-40-1200 ।

(घ) भू-विज्ञानी (ग्रुप 'क'—कनिष्ठ वेतनमान) के संवर्ग में भर्ती अंशतः संघ लोक सेवा आयोग की प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा और अंशतः सरकार द्वारा समय-समय पर आशोधित भर्ती नियमों के अनुसार विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में सहायक भू-विज्ञान के निम्न ग्रेड से पदोन्नति द्वारा की जाए।

(ङ) सेवा और अवकाश तथा पेंशन की शर्तें वही हैं जिनका उल्लेख क्रमशः सरकार द्वारा समय-समय पर यथा आशोधित मूल नियमों तथा सिविल सेवा विनियमों में किया गया है।

(च) भविष्य निधि की शर्तें वही हैं जिनका उल्लेख सरकार द्वारा समय-समय पर यथा आशोधित सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवाएं) नियमावली में किया गया है।

(छ) सहायक भू-विज्ञानियों को भारत में या भारत के बाहर कहीं भी कार्य करना पड़ सकता है।

2. केन्द्रीय भू-जल बोर्ड

(i) कनिष्ठ जल भू-विज्ञानी ग्रुप 'क'—

(क) नियुक्ति हेतु चुने गये उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि हेतु परीक्षा पर रखा जाएगा उस अवधि की आवश्यकता-नुसार बढ़ाया जा सकता है।

(ख) केन्द्रीय भू-जल बोर्ड में विहित वेतनमान—

(i) कनिष्ठ जल-भूविज्ञानी—रु० 700-40-900-२० रो०-40-1100-50-1300 ।

(ii) वरिष्ठ जल भू-विज्ञानी—रु० 1100-50-1600 ।

(iii) निदेशक—रु० 1500-60-1800-100-2000 ।

(iv) मुख्य जल-भू-विज्ञानी—रु० 2250-125/2-2500 ।

(ग) सरकार द्वारा समय-समय पर आशोधित किये गये भर्ती नियमों के अनुसार विभाग में पदों के उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति की जाएगी।

(ङ) सेवा और अवकाश तथा पेंशन की शर्तें वही होंगी जो सरकार द्वारा समय-समय पर आशोधित मूल नियमों तथा सिविल सेवा विनियमों में उल्लिखित हैं।

(च) सरकार द्वारा समय-समय पर आशोधित सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवाएं) नियमावली में उल्लिखित शर्तों के अनुसार भविष्य निधि की शर्तें लागू होंगी।

(छ) केन्द्रीय भू-जल बोर्ड के समस्त अधिकारियों को भारत के किसी भी भाग में या भारत से बाहर कार्य करना पड़ सकता है।

2. सहायक जल भू-विज्ञानी ग्रुप 'ख'

(क) नियुक्ति हेतु चुने गये उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा यदि आवश्यक समझा गया तो यह अवधि बढ़ाई भी जा सकती है।

(ख) निर्धारित वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-२० रो०-35-880-40-1000-२० रो०-40-1200 ।

(ग) कनिष्ठ जल भू-विज्ञानी (ग्रुप 'क') के संवर्ग में भर्ती अंशतः संघ लोक सेवा आयोग की प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा और अंशतः समय-समय पर सरकार द्वारा आशोधित भर्ती नियमों के अनुसार विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा केन्द्रीय भू-जल बोर्ड के सहायक जल विज्ञानी के निम्न ग्रेड से पदोन्नति द्वारा की जाएगी।

(घ) सेवा, अवकाश और पेंशन की शर्तें वही होंगी जो सरकार द्वारा समय-समय पर आशोधित मूल नियमों तथा सिविल सेवा विनियमों में उल्लिखित हैं।

(ङ) भविष्य निधि की शर्तें वही होंगी जो सरकार द्वारा समय-समय पर आशोधित सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवाएं) नियमावली में उल्लिखित हैं।

(च) सहायक जल भू-विज्ञानियों को भारत में या भारत के बाहर कहीं भी कार्य करना पड़ सकता है।

इस्पात और खान मंत्रालय

(इस्पात विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 26 अगस्त 1986

संकल्प

गं० एम० सी०-1(1)/86-डी०-III (*) :- भारत सरकार ने दिनांक 31 जनवरी, 1986 के समसंख्यक संकल्प द्वारा इस्पात और खान मंत्री की अध्यक्षता में "इस्पात उपभोक्ता परिषद" का गठन किया गया था जिसमें सरकार, लोहे और इस्पात के उत्पादकों और उपभोक्ताओं, मकान निर्माताओं और सम्बन्ध उद्योगों के प्रतिनिधियों को शामिल किया गया था। इस परिषद के गठन किये जाने से लेकर, सरकार को विभिन्न संगठनों/सरकार के विभागों से उन्हें भी प्रातिनिधित्व दिये जाने के बारे में कई अध्यावेदन प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इन अध्यावेदन प्रस्तावों की यावधानापूर्वक जांच की गई है और यह निर्णय लिया गया है कि इनमें से कुछ संगठनों/सरकार के विभागों को इस परिषद में प्रतिनिधित्व देने के लिये परिषद का पुनर्गठन किया जाये अब पुनर्गठित परिषद का गठन इस प्रकार होगा:-

अध्यक्ष

इस्पात और खान मंत्री

उपाध्यक्ष

सचिव, इस्पात और खान मंत्रालय, इस्पात विभाग।

सदस्य

- (i) रेलवे विभाग
- (ii) सरकारी उद्यम विभाग
- (iii) विद्युत विभाग
- (iv) तकनीकी विकास मंत्रालय
- (v) वाणिज्य मंत्रालय
- (vi) विकास आयुक्त, लघु उद्योग (डी० सी० एम० एम० आई०)
- (vii) लोहा और इस्पात नियंत्रक, कलकत्ता
- (viii) क्षेत्रीय लोहा और इस्पात नियंत्रक, दिल्ली, बम्बई, कलकत्ता, मद्रास, हैदराबाद और कोलपुर।
- (ix) खनिज तथा धातु व्यापार निगम, नई दिल्ली।
- (x) मेटल स्क्रैप ट्रेड कारपोरेशन, कलकत्ता।

II. लोहे और इस्पात के निम्नलिखित मुख्य उत्पादकों में से प्रत्येक के दो प्रतिनिधि:-

- (i) स्टील अथायिटी आफ इण्डिया लि०।
- (ii) इण्डियन आयरन एण्ड स्टील कंपनी लि०।
- (iii) टाटा आयरन एण्ड स्टील कंपनी लि०।

III. निम्नलिखित में से प्रत्येक का एक प्रतिनिधि:-

- (i) टिन प्लेट कंपनी आफ इण्डिया लि०, कलकत्ता।
- (ii) के० आर० स्टील यूनिट प्राइवेट लि०, बम्बई।
- (iii) स्टील फर्नेस एसोसिएशन आफ इण्डिया, नई दिल्ली।
- (iv) अलाय स्टील प्राइवेट एसोसिएशन आफ इण्डिया, बम्बई।
- (v) स्टील रि रोलिंग मिल्स एसोसिएशन आफ इण्डिया, कलकत्ता।
- (vi) आल इण्डिया स्टील रि रोलर्स एसोसिएशन, नई दिल्ली।
- (vii) इण्डियन स्टेनलेस स्टील रि रोलर्स एसोसिएशन, बम्बई।

IV. निम्नलिखित में से प्रत्येक का एक प्रतिनिधि:-

1. फेडरेशन आफ इण्डियन चैम्बर्स आफ कामर्स एण्ड इण्डस्ट्री, नई दिल्ली।
2. एसोसिएशन चैम्बर आफ कामर्स एण्ड इण्डस्ट्री, आफ इण्डिया, नई दिल्ली।

3. भारत में लघु उद्योग निगमों की परिषद, नई दिल्ली।
4. आल इण्डिया मेटल फॉजिंग एसोसिएशन, नई दिल्ली।
5. आल इण्डिया स्माल स्केल लाइट वार मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन, बम्बई।
6. आल इण्डिया स्टेनलेस स्टील इण्डस्ट्रीज एसोसिएशन, बम्बई।
7. आल इण्डिया वायर नैटिंग मैनुफैक्चरिंग एसोसिएशन, बम्बई।
8. एसोसिएशन आफ इण्डियन इंजीनियरिंग इण्डस्ट्री, नई दिल्ली।
9. एसोसिएशन आफ हाई टेक्नाइल फास्टनर मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन, बम्बई।
10. एसोसिएशन आफ इण्डियन आफ ड्राफ्टिंग एण्ड स्टेम्पिंग इण्डस्ट्रीज, बम्बई।
11. आटोमेटिक कॉम्पोनेंट मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन आफ इण्डिया, बम्बई।
12. ब्राइट स्टील मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन आफ इण्डिया, बम्बई।
13. बकट मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन आफ इण्डिया, कलकत्ता।
14. कलकत्ता टी बेस्ट फिटिंग मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन, कलकत्ता।
15. कास्ट आयरन स्पत पाइप मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन, कलकत्ता।
16. फर्नेचरेशन आफ आल इण्डिया ब्राइट वार मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन नई दिल्ली।
17. इंजीनियरी नियमि संबद्धन परिषद, कलकत्ता।
17. इंजीनियरी नियमि संबद्धन परिषद, कलकत्ता।
18. रीन मैकर्स एसोसिएशन आफ इण्डिया, कलकत्ता।
19. फेडरेशन आफ एसोसिएशन आफ स्माल इण्डस्ट्रीज आफ इण्डिया, नई दिल्ली।
20. फेडरेशन आफ इंजीनियरिंग इण्डस्ट्रीज आफ इण्डिया, नई दिल्ली।
21. लोहा और इस्पात स्क्रैप एसोसिएशन आफ इण्डिया, बम्बई।
22. इण्डियन डीजल इंजिन मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन, बम्बई।
23. इण्डियन फाउण्ट्री एसोसिएशन, कलकत्ता।
24. इण्डियन वायर वेग मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन, कलकत्ता।
25. इण्डस्ट्रियल फास्टनर्स एसोसिएशन आफ इण्डिया, कलकत्ता।
26. मेटल प्रिन्टर्स एण्ड फीबीकेटर्स एसोसिएशन, नई दिल्ली।
27. नेशनल एलायन्स आफ गग एन्टरप्रेनेर्स कलकत्ता।
28. नेशनल को आउटलेट हाउसिंग फेडरेशन आफ इण्डिया लि०, नई दिल्ली।
29. आर्गेनाइजेशन आफ इण्डियन इंजीनियरिंग इण्डस्ट्री, कलकत्ता।
30. प्रोसेस प्लाट एण्ड मशीनरी एसोसिएशन आफ इण्डिया, बम्बई।
31. स्माल स्केल वायर मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन, कलकत्ता।
32. स्टील वायर मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन आफ इण्डिया, कलकत्ता।
33. टिन प्लेट फीबीकेटर्स एसोसिएशन, कलकत्ता।

सदस्य सचिव

संयुक्त सचिव (इन्वार्ज) स्टील कंट्रोल थिंग, इस्पात विभाग, नई दिल्ली।

2. परिषद के कार्य तथा समयावधि में कोई परिवर्तन नहीं होगा।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि संकल्प की एक एक प्रति सभी राज्य सरकारों, मध्य शासित प्रणालियों, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों और विभागों, प्रधानमंत्री कार्यालय, मंत्रिमण्डल सचिवालय, संसद सचिवालय, योजना आयोग और भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक और "उत्पात उपभोक्ता परिषद" के सभी सदस्यों को भेजी जाये।

यह भी आदेश दिया जाता है कि संकल्प को आम सूचना के लिये भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाये।

यू० के० मुखोपाध्याय, संयुक्त सचिव

उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 8 सितम्बर, 1986

संकल्प

सं० 4(1)/85-के० बी० आई (I):—इस मंत्रालय के दिनांक 1 जुलाई, 1986 के संकल्प के क्रम में, यह निर्णय लिया गया है कि श्री के० सी० सोधिया, अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) जो कि 31 अगस्त, 1986 को सेवा निवृत्त हो गये हैं, खादी तथा ग्रामोद्योग समीक्षा समिति के सदस्य बने रहेंगे और इन्हें गैर सरकारी सदस्य माना जायेगा।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को एक प्रतिनिधि निम्नलिखित को भेजी जाये:—

1. समिति के सभी सदस्य।
2. अध्यक्ष, खादी तथा ग्रामोद्योग आयोग, बम्बई।
3. वित्त मंत्रालय, नई दिल्ली।
4. योजना आयोग, ग्राम लघु उद्योग प्रभाग, नई दिल्ली।
5. श्री के० सी० सोधिया, अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग)।

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को सामान्य सूचना के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

ए० बी० गोकक, संयुक्त सचिव

कम्पनी कार्य विभाग

नई दिल्ली-1, दिनांक 12 सितम्बर 1986

आदेश

सं० 27/9/85-सी० एल II —कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 क की उपधारा (1) के खण्ड (II) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा कम्पनी कार्य विभाग में, भारत सरकार के निम्नलिखित अधिकारियों को कथित धारा 209 क के उद्देश्य के लिए प्राधिकृत करती है:—

- | | |
|----------------------|----------------|
| 1. श्री एस० के० मंडल | कम्पनी लेखापाल |
| 2. श्री एस० एन० जैवा | उप निदेशक लेखा |

आर० डी० मखीजा, अवर सचिव

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

(शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 26 अगस्त, 1986

संकल्प

विषय:—जनसंख्या शिक्षा कार्यक्रम (औपचारिक शिक्षा पद्धति)

सं० एक० 12-22/85-स्कूल-4:—इस मंत्रालय के दिनांक 12 मार्च, 1986 के संकल्प संख्या एक० 12-22/85 स्कूल-4 के क्रम में यह अधिसूचित किया जाता है कि संयुक्त सचिव, स्वास्थ्य और कल्याण मंत्रालय के स्थान पर सलाहकार (माध्यम और संचालन) स्वास्थ्य और कल्याण मंत्रालय, जनसंख्या शिक्षा कार्यक्रम के कार्यान्वयन की राष्ट्रीय संचालन समिति के सदस्य होंगे।

3 —261 GI/86

2. समिति के बाकी के सदस्यों की सदस्यता में कोई परिवर्तन नहीं होगा।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि संकल्प की एक-एक प्रति सभी राज्य सरकारों, सैन्य शासित क्षेत्रों, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, प्रधान मंत्री कार्यालय, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद को भेजी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि संकल्प को सर्व सामान्य सूचना के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

आई० एम० जगदीश्वरी, संयुक्त सचिव

नई दिल्ली, दिनांक 1 सितम्बर, 1986

सं० एक० 12-12/85-डी० III (शा० शि०):—भूतपूर्व शिक्षा विभाग के दिनांक 17 अगस्त, 1985 के संकल्प सं० एक० 16-6-85 शा० शि०-4 के अनुसरण में, जिसे समय समय पर संशोधित किया गया है और भूतपूर्व शिक्षा और संस्कृति मंत्रालय को दिनांक 31 जुलाई, 1982 की अधिसूचना संख्या एक० 12-5/82 डी०-III (खेल) द्वारा गठित राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा और खेल, संस्थानों की सोसायटी के अधिशासी बोर्ड के कार्यकाल की समाप्ति पर राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा और खेल संस्थानों की सोसायटी के अधिशासी बोर्ड में निम्नलिखित व्यक्तियों को 1 सितम्बर, 1986 से 3 साल की अवधि के लिए नियुक्त किया गया है:—

I. अध्यक्ष

श्री पी० बी० नरसिंह राव,
मानव संसाधन विकास मंत्री

II उपाध्यक्ष

2. श्रीमती मारग्रेट अल्वा,
युवा कार्य और खेल राज्य मंत्री

III भारत सरकार के प्रतिनिधियों के रूप में सदस्य (3) पदेन

3. प्रभारी संयुक्त सचिव
युवा कार्य और खेल

4. संयुक्त सचिव,
शिक्षा विभाग

5. अपर सचिव (व्यय)
वित्त मंत्रालय

IV राज्य सरकार के प्रतिनिधि (2)

6. केरल सरकार (दक्षिणी क्षेत्र)
7. उत्तर प्रदेश सरकार (उत्तरी क्षेत्र)।

V शारीरिक शिक्षा विशेषज्ञ (2)

8. डा० पी० एल० महहोत्रा, निदेशक, रा० शै० अ० प्र० प०,
नई दिल्ली।
9. प्रोफेसर करण सिंह, शारीरिक शिक्षा विभाग के अध्यक्ष,
भारत हिन्दू विश्वविद्यालय।

VI खेल प्रवर्तक (4)

10. भारतीय ओलम्पिक संघ के महा सचिव
11. महानिदेशक, भारतीय खेल प्राधिकरण
12. डा० जगदीश नारायण, सचिव भारतीय विश्वविद्यालय संघ।
13. श्री जयदीप सिंह बारिया, संसद सदस्य, अध्यक्ष, अमेचुर एथलेटिक्स फ़ेडरेशन ऑफ इण्डिया।

VII योग विशेषज्ञ (1)

14. श्री ओ० पी० तिवारी, केवल्यधाम श्रीमान माधव योग मन्दिर समिति, लौनावाणा (पुणे)।

VIII उत्कृष्ट खिलाड़ी (2)

15. कुमारी सुषमा सारोलकर, (खो० खो०)।
16. श्री आनन्द अमृतराज (टेनिस)।

IX श्री० लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा कालेज, ग्वालियर (पदेन)

17. डा० एन० एन० मल, बीन, लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा कालेज, ग्वालियर।

X सदस्य सचिव

18. डा० आर० एन० आनन्द (पदेन)।
महा निदेशक
नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल
संस्थान
पटियाला

राज्य सरकारों का एक-एक प्रतिनिधि, जहाँ नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान और लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा कालेज और/या उनके क्षेत्रीय विंग स्थित हैं, राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा और खेल संस्थानों की सोसायटी की बैठकों के स्थायी रूप से आमंत्रित व्यक्ति होंगे।

एम० लक्ष्मीनारायण, उप सचिव

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1986

सं० एक० 10-3/86-यू० 5—भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसन्धान परिषद, नई दिल्ली के नियमों तथा संघ के ज्ञापन के नियम 3 तथा 6 के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा निम्नलिखित व्यक्तियों को 31 मार्च, 1989 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए सदस्यों के रूप में मनोनीत किया जाता है।

1. डा० अशोक जैन,
निदेशक,
राष्ट्रीय विज्ञान, प्रौद्योगिकी और विकास
अध्ययन संस्थान,
हिल साईड रोड, नई दिल्ली-110012।
2. प्रो० सी० एच० हनुमन्त राव,
आर्थिक विकास संस्थान,
दिल्ली विश्वविद्यालय,
दिल्ली-110007।

3. प्रो० के० एम० पाणिकार,
ऐतिहासिक अध्ययन केन्द्र,
जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय,
नई दिल्ली-110067।

2. निम्नलिखित व्यक्तियों को 31 मार्च, 1989 को समाप्त होने वाली दूसरी अवधि के लिये भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसन्धान परिषद के सदस्यों के रूप में मनोनीत किया जाता है :—

1. प्रो० जी० राम रेड्डी,
कुलपति,
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय खुला विश्वविद्यालय,
नई दिल्ली-110001।
2. प्रो० बिमला अप्पवाल,
अध्यक्ष, मनोविज्ञान विभाग,
प्रायोगिक मनोविज्ञान प्रयोगशाला,
विश्वविद्यालय, लखनऊ।

एस० के० सेनगुप्ता, अवर सचिव

भ्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 11 सितम्बर, 1986

संकल्प

सं० यू०-23013/11/84-एल० डब्ल्यू० (i)—वेश में लौह अयस्क खानों में ठेका भ्रम पद्धति के कार्यकरण के प्रश्न पर विचार करने के लिये समिति के गठन के बारे में भारत के राजपत्र, असाधारण भाग I खण्ड 1 में दिनांक 22 जनवरी, 1986 को प्रकाशित भ्रम मंत्रालय के दिनांक 22-1-1986 के संकल्प संख्या यू० 23013/11/84-एल० डब्ल्यू० (i) के पैरा 2 का आंशिक संशोधन करते हुए, केन्द्रीय सरकार निम्नलिखित संशोधन करती है :—

2. उक्त संकल्प में क्रमांक (1) और (6) और उनसे सम्बन्धित प्रविष्टियों के लिये निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाये :—

- (1) श्री पी० एन० सिंह, सचिव
संयुक्त निदेशक (आई० आर०),
स्टील अथारिटी आफ इण्डिया लिमिटेड,
इस्पात भवन, लोदी रोड, नई दिल्ली।

- (6) श्री एल० डी० सामन्त, सदस्य
बीगुलें एण्ड कम्पनी, (प्राइवेट) लिमिटेड,
मोरमुगोबा, हार्बर-403803, गोवा।

आदेश

उक्त संकल्प की प्रतियां निम्नलिखित को भेजी जाएं :—

1. केन्द्रीय सलाहकार ठेका भ्रम बोर्ड के सभी सदस्य।
2. इस्पात खान और कोयला मंत्रालय (इस्पात विभाग), नई दिल्ली।
3. इस्पात खान और कोयला मंत्रालय (खान विभाग), नई दिल्ली।
4. स्टील अथारिटी आफ इण्डिया लिमिटेड, इस्पात भवन, लोदी रोड, नई दिल्ली।
5. कल्याण आयुक्त, 33 अशोक नगर, भुवनेश्वर-751009 उड़ीसा।
6. श्री एस० के० सभ्याल, बकिंग प्रेजीडेंट, इण्डियन नेशनल माइन वर्कर्स फ़ेडरेशन, बोरनाला, नागपुर-13।

7. श्री एस० दास गुप्ता, जनरल सेक्रेटरी, इण्डियन नेशनल माइन वर्कर्स फेडरेशन राजेन्द्र पथ, कटरास रोड, धनबाद।

8. श्री एस० के० चौधरी, रोजनल कन्ट्रोलर आफ माइन्स, इण्डियन ब्यूरो आफ माइन्स, न्यू सेक्टरियट बिल्डिंग, नागपुर।

9. श्री ए० खालिक, मुख्य कामिक प्रबन्धक, राष्ट्रीय खनिज विकास निगम लिमिटेड, 10-3-311/ए, कैसल हिल्स, नसब रोड, हैदराबाद-28.

10. श्री टी० आर० गोयंका, इण्डियन मिनरल इण्डस्ट्रीज के पूर्व प्रेजिडेंट, गोयंका मिनरल्स (प्रा०) लिमिटेड, "शील निवास" पोस्ट बाक्स नं० 271, 1062, वेस्ट हार्बोर्ट, रोड, नागपुर-10।

11. श्री एल० डी० सामन्त, चौगुले एण्ड कम्पनी लिमिटेड, मारमोगुना हार्बर, 403803, गोवा।

12. श्री आर० के० शर्मा, सेक्रेटरी, फेडरेशन आफ इण्डियन मिनरल इण्डस्ट्रीज, 301, बकशी हाऊस, 40-41 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली-19।

13. श्री पी० एन० सिंह, संयुक्त निदेशक (आई० आर०) स्टील अथारिटी आफ इण्डिया लिमिटेड, इस्पात भवन लोदी रोड, नई दिल्ली।

यह भी आवेग दिया जाता है कि उक्त संकल्प को भारत के राजपत्र भाग I, खण्ड 1 में प्रकाशित किया जाए।

संकल्प

सं० यू० 23013/11/84-एल० डब्ल्यू० (ii)—देश में मैगनीज अयस्क खानों में ठेका श्रम पद्धति के कार्यकरण के प्रश्न पर विचार करने के लिये समिति के गठन के बारे में भारत के राजपत्र, असाधारण भाग I, खण्ड 1, में दिनांक 22-1-86 को प्रकाशित श्रम मंत्रालय के दिनांक 22-1-1986 के संकल्प संख्या यू० 23013/11/84-एल० डब्ल्यू० (ii) के पैरा 2 का आंशिक संशोधन करते हुए, केन्द्रीय सरकार निम्नलिखित संशोधन करती है:—

2. उक्त संकल्प में क्रमांक (6) और उससे सम्बद्ध प्रविष्टियों के लिये निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा:—

(6) श्री बी० जे० त्रिवेदी, सचिव
जे० ए० त्रिवेदी आदर्श,
पोस्ट बाक्स नं०-1, मैन रोड,
बालाघाट, नं० 481001, मध्य प्रदेश।

आदेश

उक्त संकल्प की प्रतियां निम्नलिखित को भेजी जायें:—

1. केन्द्रीय सलाहकार ठेका श्रम बोर्ड के सभी सदस्य।
2. इस्पात खान और कोयला मंत्रालय (इस्पात विभाग), नई दिल्ली।
3. इस्पात खान और कोयला मंत्रालय (खान विभाग), नई दिल्ली।
4. स्टील अथारिटी आफ इण्डिया लिमिटेड, इस्पात भवन, लोदी रोड, नई दिल्ली।

5. श्री एस० के० सन्याल, वरिष्ठ प्रेजिडेंट इण्डियन नेशनल माइन वर्कर्स, फेडरेशन बोरताला नागपुर-13।

6. श्री एस० दास गुप्ता, जनरल सेक्रेटरी, इण्डियन नेशनल माइन वर्कर्स, फेडरेशन राजेन्द्र पथ, कटरास रोड, धनबाद।

7. श्री ए० खालिक, मुख्य कामिक प्रबन्धक, राष्ट्रीय खनिज विकास निगम लिमिटेड, 10-3-311/ए, कैसल हिल्स, नसब रोड, हैदराबाद-500028।

8. श्री टी० आर० गोयंका, इण्डियन मिनरल इण्डस्ट्रीज के पूर्व, प्रेजिडेंट, गोयंका मिनरल्स (प्रा०) लिमिटेड, "शील निवास" पोस्ट बाक्स नं० 271, 1062 वेस्ट हार्बोर्ट, रोड, नागपुर-10।

9. श्री आर० के० शर्मा सेक्रेटरी, फेडरेशन आफ इण्डियन मिनरल इण्डस्ट्रीज, 301, बकशी हाऊस, 40-41 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली-110019.

10. प्रादेशिक श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) कोठी नं० 155, सेक्टर 38 ए, चण्डीगढ़।

11. श्री ए० एच० धर्माधिकारी, उप महाप्रबन्धक (तकनीकी) मैगनीज और (इण्डिया), लिमिटेड, 3, माउण्ट रोड एक्सटेंशन, नागपुर-440001.

12. श्री सुरेश चन्द, रोजनल कन्ट्रोलर आफ माइन्स, इण्डियन ब्यूरो आफ माइन्स, न्यू सेक्टरियट बिल्डिंग, नागपुर।

13. श्री बी० जे० त्रिवेदी, जे० ए, त्रिवेदी आदर्श, पोस्ट बाक्स नं० 1, मैन रोड बालाघाट, 481001, मध्य प्रदेश।

यह भी आवेग दिया जाता है कि उक्त संकल्प को भारत के राजपत्र भाग I खण्ड 1 में प्रकाशित किया जाये।

संकल्प

सं० यू० 23013/11/84-एल० डब्ल्यू० (iii)—देश में लूना पत्थर और डोलोमाइट खानों में ठेका श्रम पद्धति के कार्यकरण के प्रश्न पर विचार करने के लिये समिति के गठन के बारे में भारत के राजपत्र, असाधारण भाग-I, खण्ड 1 में दिनांक 22 जनवरी, 1986 को प्रकाशित श्रम मंत्रालय की दिनांक 22-1-1986 के संकल्प संख्या यू०-23013/11/84-एल० डब्ल्यू०-(iii) के पैरा 2 का आंशिक संशोधन करते हुए, केन्द्रीय सरकार निम्नलिखित संशोधन करती है।

2. उक्त संकल्प के क्रमांक (1) और (6) और उनसे सम्बद्ध प्रविष्टियों के लिये निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाए:

() श्री पी० एन० सिंह, सचिव
संयुक्त निदेशक, (आई० आर०)
स्टील अथारिटी आफ इण्डिया, लिमिटेड,
इस्पात भवन, लोदी रोड, नई दिल्ली।

(6) श्री बाई० एच० डालमिया,
प्रेजिडेंट,
डालमिया सीमेंट (भारत) लिमिटेड,
हंतालय (11वीं और 12 वीं मंजिल),
15 बारा खम्मा रोड, पोस्ट बाक्स नं० 364
नई दिल्ली-110001।

आवेग

उक्त संकल्प की प्रतियां निम्नलिखित को भेजी जाएं:—

1. केन्द्रीय सलाहकार ठेका श्रम बोर्ड के सभी सदस्य।
2. इस्पात, खान और कोयला मंत्रालय (इस्पात विभाग), नई दिल्ली।
3. इस्पात, खान और कोयला मंत्रालय (खान विभाग), नई दिल्ली।
4. स्टील अथारिटी आफ इण्डिया लिमिटेड, इस्पात भवन लोदी रोड, नई दिल्ली।

5. श्री एस० के० सप्याल, वकिंग प्रेजीडेंट, इंडियन नेशनल माइन वर्कर्स, कैबरेशन, बोरमाला, नागपुर-13।
6. श्री एस० वास गुप्ता, जनरल सेक्रेटरी, इंडियन नेशनल माइन वर्कर्स कैबरेशन, राजेन्द्र पथ, कटरास रोड, धनबाद।
7. श्री ए० खालिक, मुख्य कार्मिक प्रबन्धक, राष्ट्रीय खनिज विकास निगम लिमिटेड, 10-3-311/ए, कैसल हिल्स, नसब टेक, हैबराबाद-500028।
8. श्री टी० आर० गोयंका, इंडियन मिनरल इंडस्ट्रीज के पूर्व प्रेसीडेंट, गोयंका मिरल्स (प्रा० लिमि०), "शील निवास" पोस्ट बाक्स नं० 271, 1062, वेस्ट हार्कोर्ट रोड, नागपुर-440010।
9. श्री आर० के० शर्मा, सैक्रेटरी कैबरेशन आफ इंडियन मिरल्स इंडस्ट्रीज, 301, बक्शी हाउस, 40-41, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली-110019।
10. कल्याण प्रायुक्त, श्री नं० 1-7-145/12, श्रीनिवास नगर, कालोनी, सुभाष टाकीज के सामने, मुशीराबाद, हैबराबाद-500048।
11. श्री एम० मुखर्जी, रीजनल कंट्रोलर आफ माइंस, इंडियन व्यूरो आफ माइन्स, न्यू सेक्रेट्रियरेट बिल्डिंग, नागपुर।
12. श्री बाई० एच० डालमिया, प्रेजीडेंट, डालमिया सीमेंट (भारत) लिमिटेड, हंसासय (11वीं और 12वीं मजिल), 15 बाराखम्भा रोड, पोस्ट बाक्स नं० 364, मई दिल्ली-110001।
13. श्री पी० एम० सिंह, संयुक्त निदेशक, (आई० आर०) स्टील थ्यारिटी आफ इंडिया लिमिटेड, इस्तात भवन, सोदी रोड, नई दिल्ली।

यह भी आदेश दिया जाता है कि उक्त संकल्प को भारत के राजपत्र, भाग-I खंड 1 में प्रकाशित किया जाए।

ए० के० श्रीवास्तव, महानिदेशक (अम कल्याण),
संयुक्त सचिव

नई दिल्ली, दिनांक 8 सितम्बर 1986

संकल्प

सं० बी०-24040/1/86 के० मे०—अमजीवी पत्रकार और अन्य समाचार-पत्र कर्मचारी (सेवा की शर्तें) और प्रकीर्ण उच्च अधिनियम, 1955 की धारा 10 के अधीन।

अमजीवी पत्रकार और अन्य समाचार-पत्र कर्मचारी (सेवा की शर्तें) और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1955 की धाराओं 6-13 के अधीन अमजीवी पत्रकारों और अन्य समाचार-पत्र कर्मचारियों के लिए क्रमशः सारीख 1-7-1985 की अधिसूचना संख्या बी-24012/7/85 डब्ल्यू० बी० और सारीख 26-8-1985 की अधिसूचना संख्या बी-24032/7/85 डब्ल्यू० बी० के अधीन मजदूरी बोनस गठित किए थे।

और उन बोनसों की अमजीवी पत्रकारों और गैर-पत्र समाचार-पत्र कर्मचारियों के लिए मजदूरी के दरों को निर्धारित और/या संशोधित करने के मामले में सिफारिशें करनी हैं।

जिसके लिए उक्त अधिनियम की धारा 13-ब के माध्यम से धारा 10 की अपेक्षाओं के अनुसार देश में समाचार-पत्र प्रतिष्ठानों और अमजीवी पत्रकारों/गैर-पत्रकार समाचार-पत्र कर्मचारियों और अन्य व्यक्तियों जो अमजीवी पत्रकारों और गैर-पत्रकार समाचार-पत्र कर्मचारियों की मजदूरी दरों के निर्धारण या संशोधन में दृष्टिकोण हैं, से कहा जाता है कि वे उक्त अधिनियम के अधीन जिन मजदूरी दरों को निर्धारित और/या संशोधित किया जाए, अपनी समझ से दरें बताते हुए लिखत में अभ्यावेदन करें। उनसे यह भी कहा जाता है कि वे उन मजदूरी की दरों का उल्लेख करें जो कि उनकी अपनी राय में नियोजक की सहाय करने की क्षमता या किसी अन्य परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए व्यक्तिगत हों, जो उन्हें अपने अभ्यावेदन के सम्बन्ध में सुसंगत लगती हों और इन बोनसों ने प्रभावशील भी तैयार की है जो इसके बाद यथा उल्लिखित सभी दृष्टिकोण व्यक्तियों को उपलब्ध होगी। उपरोक्त व्यक्तियों से इस प्रभावशील का उत्तर देने के लिए भी कहा जाता है।

और उक्त प्रभावशील की उपलब्धता आसान करने के लिए उक्त सूचना और प्रभावशील की प्रतियां समाचार-पत्र प्रतिष्ठानों और अमजीवी पत्रकारों/गैर-पत्रकार समाचार-पत्र कर्मचारियों को वितरण करने एवं उन व्यक्तियों को जो उन्हें चाहते हों, प्रदत्त करने के लिए राज्य सरकारों को भेजी गई है और राज्य सरकारों से इस प्रयोजनार्थ यह भी अनुरोध किया गया है कि वे उक्त सूचना और प्रभावशील की प्रतियां अपने सूचना विभाग के जिला कार्यालयों को भेजें ताकि इसे उनके राज्यों के विभिन्न जिलों में उपरोक्त के अनुसार प्रदत्त किया जा सके। इस तरह उक्त प्रभावशील विभिन्न राज्यों के सूचना विभागों के संबंधित जिला कार्यालयों में उपलब्ध होगी और जो भी उन्हें प्राप्त करने का दृष्टिकोण हो वह उन्हें वहां से प्राप्त कर सकता है।

और इन बोनसों ने संकल्प किया है कि ये अभ्यावेदन और उत्तर 15 अक्टूबर, 1986 तक दिए जाएं, वे सभी व्यक्ति जो भी अपना अभ्यावेदन और प्रभावशील का विस्तारित उत्तर देना चाहते हों तो उन्हें मजदूरी बोनसों के कार्यालय में वे या डाक द्वारा भेजें ताकि उक्त कार्यालय में 15 अक्टूबर, 1986 तक प्राप्त हो जाएं।

और चूंकि मजदूरी दरों का निर्धारण और/या संशोधन प्रभावशाली वस्तुस्थिति पर आधारित होता है, इसलिए संबंधित पत्रकार अपने अभ्यावेदनों के साथ निम्नलिखित भी प्रस्तुत करें:—

- (i) दस्तावेजों की सूची जिन पर वे निर्भर हों,
- (ii) दस्तावेजों की यथास्थिति सत्या प्रतिलिपियां या मूल प्रतियां, जो की उनके पास हों,
- (iii) उन दस्तावेजों की सूची जिन्हें वे चाहते हैं कि कोई मंगाए और उस व्यक्ति या उन व्यक्तियों के नाम और पते जिनसे मंगाई जानी हो।

सभी अभ्यावेदनकर्ता अपने अभ्यावेदन की 15 प्रतियां तथा दस्तावेज एवं वर्ष 1978-79 से 1985-86 के तुलनापत्र और लाभ-हानि लेखा मजदूरी बोनस में फाइल करें।

विशम्भर नाथ, वर सचिव

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 22nd September 1986

No. 73-Pres./86.—The President is pleased to award the President's Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Uttar Pradesh Police :—

Names and rank of the Officers

Shri Mahendra Singh,
Constable No. 283 CP,
PS : Kathaund,
District Jalaun (UP).

Shri Ram Narain Singh,
Constable Naik No. 32039,
XXV Bn., PAC,
Naini, Allahabad (UP).

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the 1st June, 1984, Shri Mahendra Singh, Constable Police Station Kuhaund, District Jalaun alongwith one Section of PAC (including Constable Naik Ram Narain Singh) was patrolling the ravines of village Chadrawli, Belohan and Ratrahi, District Jalaun. While they were coming back in the evening they saw a dacoit gang, consisting of eight members, coming out of the ravines. On seeing the Police party, the dacoits started firing at them and retreated towards the ravines. The Police party chased them and continued to fire in self-defence. Shri Mahendra Singh and Shri Ram Narain Singh crawled towards the area of the hiding of dacoits and opened fire. They heard cries of a dacoit in agony. The Police party could not, however, make any search due to darkness and returned to their base and informed senior officers. On the next day morning intensive patrolling and search of the area was carried out. A dead body of a dacoit hit by bullets was recovered, which was subsequently identified to be that of gang leader Sri Ram.

In this encounter, Shri Mahendra Singh, Constable and Shri Ram Narain Singh, Constable Naik, displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the President's Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from 1st June 1984.

No. 74-Pres./86.—The President is pleased to award the President's Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Madhya Pradesh Police :—

Name and rank of the Officer

Shri Harmahender Singh Billa,
Inspector of Police,
G.R.P., P.S. Bhopal.

Statement of Services for which the decoration has been awarded

In the early hours of the 3rd December, 1984, the G.R.P. Control Room received information that poisonous gas had affected the Railway Station premises. On receipt of this information, Inspector Harmahender Singh Billa promptly

rushed to the Railway Station from his residence and found that a large number of persons in Railway premises were badly coughing and complaining of burning in eyes. He immediately started rescue operations and also informed the City Police Control Room. The entire Railway Colony was covered with suffocating gas and a large number of people had entered the GRP Police Station for shelter. Shri Billa, assisted by one Sub-Inspector and two Constables, continued to render essential help and provided necessary protection to all the affected persons. The Railway Colony, yard areas, Railway Station waiting halls were the worst affected in the gas tragedy. Shri Billa's family was also affected by the killer gas, but in utter disregard to his personal as well as the safety of his family members, he continued to organise transport and other facilities to the affected people. The three GRP personnel, who were assisting in this courageous and colossal job, were also affected by the poisonous gas and were permitted to seek medical help. Later, he was single handedly managing the rescue and first-aid operations started by the Railway management in the presence of the General Manager and Chief Security Officer, Central Railways, who had coincidentally arrived at Bhopal. The G.R.P. staff from all the neighbouring places were called in by the DIG (Railways) to assist, but all this was possible only by the afternoon of that day. Shri Billa was also affected personally by then by the gas and fatigue.

In this incident, Shri Harmahender Singh Billa, Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the President's Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from 3rd December 1984.

No. 75-Pres./86.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Bihar Police :—

Name and rank of the officer

Shri Binod Kumar Sinha,
Sub-Inspector of Police,
Mainatand Police Station,
West Champaran District.

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the 21st November 1984 Sub-Inspector Binod Kumar Sinha, Mainatand Police Station, received information that a gang of armed criminals, probably belonging to Nepal, committed dacoity in village D. K. Shikarpur and had looted ornaments, cash etc. Shri Sinha immediately collected the available force and some villagers holding licensed guns and organised a raid. He divided the force into three parties, despatched two of them in different directions and himself took charge of the third party. The party headed by Shri Sinha took position in Khalihan and sealed the probable escape route to Nepal. Early in the morning, he heard the challenge given to the criminals by one of the Police parties. Shri Sinha at once proceeded towards that direction and noticed about 8—10 criminals rushing towards the west from north-east side. He also challenged the criminals to surrender as they were surrounded from all sides. But the criminals retaliated by indiscriminate firing on the Police party. Shri Sinha ordered his men to return the fire. As a result of firing from the criminals two jawans of his party sustained

pellet injuries, but this did not deter them and they continued to return the fire. At last, the criminals got demoralised and took to their heels. Soon he heard sound of firing from the side of the third party and by that time many villagers holding licensed guns had also collected there. When the firing ceased the Police party started searching the fields and found 8 dead bodies of criminals and also recovered almost the entire stolen property. One retreating dacoit had been captured in Village Rampurwa, who was done to death by irritated villagers. In all 9 dacoits were killed in the encounter.

In this encounter, Shri Binod Kumar Sinha, Sub-Inspector, displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 21st November 1984.

K. C. SINGH, Dy. Secy. to the President

LOK SABHA SECRETARIAT

(P.U. BRANCH)

New Delhi-110 001, the 25th August 1986

No. 4/1-PU/86.—Shri Jagesh Desai, Member, Rajya Sabha has been duly elected on 22-8-1986 to the Committee on Public Undertakings (1986-87) vice Miss Saroj Khaparde ceased to be a member of the Committee on her appointment as Minister of State.

S. S. CHAWLA, Chief Financial Committee Officer.

MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS

New Delhi, the 12th August 1986

CORRIGENDUM

Subject : Grant of Petroleum Exploration Licence for S-2 structure measuring 12113.6 sq. kms., ONG (BOP).

No. O-12012/8/86-ONG D 4.—Seventh line of first para of the order dated 12-5-86 may please be read as under :—

"from 6-5-1986 for S-2 structure area" instead of "from the date of issue of this PEL for S-2 structure area."

The other parts of the order remain the same.

By order in the name of the President of India.

P. K. RAJAGOPALAN, Desk Officer.

MINISTRY OF STEEL AND MINES

RULES

New Delhi, the 4th October, 1986

No. A-12025/4/86-M.II.—The rules for a competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 1987 for the purpose of filling vacancies in the following posts are, with the concurrence of Ministry of Irrigation, published for general information :—

Category I (Posts in the Geological Survey of India, Ministry of Steel and Mines).

- (i) Geologist (Junior), Group A and
- (ii) Assistant Geologist Group B

Category II (Posts in the Central Ground Water Board, Ministry of Irrigation).

- (i) Junior Hydrogeologist, Group A
- (ii) Assistant Hydrogeologist, Group B

1. A candidate may compete in respect of any one or both the categories of posts mentioned above. He should clearly indicate in his application the posts for which he wishes to be considered in the order of preference.

No request for alteration in the preferences indicated by a candidate in respect of posts covered by the category/categories for which he is competing would be considered unless the request for such alteration is received in the office of the Union Public Service Commission with 30 days of the date of publication of the result of the written examination in the Employment News.

2. Appointments on the results of the examination will be made on a temporary basis in the first instance. The candidates will be eligible for permanent appointment in their turn as and when permanent vacancies become available.

3. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservation will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

4. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix 1 to these Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

5. A candidate must be either—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) A Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or
- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East African countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

6. (a) A candidate for this examination must have attained the age of 21 years and must not have attained the age of 30 years on 1st January 1987 i.e. he must have been born not earlier than 2nd January 1957 and not later than 1st January 1966.

(b) the upper age limit will be relaxable upto a maximum of 7 years in the case of Government servants, if they are employed in a Department mentioned in Column I below and apply for the corresponding post(s) mentioned in column II.

Column I	Column II
Geological Survey of India	Geologist (Junior, Group A Assistant Geologist, Group B
Central Ground Water Board	Junior Hydrogeologist, Group A. Assistant Hydrogeologist, Group B.

(c) The upper age limits prescribed above will be further relaxable :—

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January 1964 and 25th March 1971;
- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India during the period between 1st October, 1964;
- (v) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vi) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda, and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia;
- (vii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste, or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda, and the United Republic of Tanzania, (formerly Tanganyika and Zanzibar) or is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia;

- (viii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (ix) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (x) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereon;
- (xi) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof, who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (xii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin (Indian Passport holder) as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July 1975;
- (xiii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin (Indian Passport holder) as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July 1975;
- (xiv) up to a maximum five years in the case of ex-servicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st January 1987 and have been released on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within six months from 1st January 1987 otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or on account of physical disability attributable to Military Service or on invalidment;
- (xv) up to a maximum of ten years in the case of ex-servicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st January 1987 and have been released on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within six months from 1st January 1987 otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency or on account of physical disability attributable to Military Service or on invalidment, who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (xvi) up to a maximum of 5 years in case of ECOs/SSCOs who have completed an initial period of assignment of 5 years of Military service as on 1st Jan., 1987 and are retained in Military service thereafter, and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for Civil employment and that they will be released on 3 months' notice on securing civil employment.

(xvii) up to a maximum of 10 years in case of ECO's/SSCO's who have completed an initial period of assignment of 5 years of Military Service as on 1st Jan., 1987 and are retained in the Military Service thereafter, and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for Civil employment and that they will be released on 3 month's notice on securing civil employment, who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.

(xviii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973;

(xix) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973.

(xx) up to a maximum of six years, if a candidate has ordinarily resided in the State of Assam during the period from the first day of January, 1980 to the fifteenth day of August, 1985.

(xxi) up to a maximum of eleven years, if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribes and has ordinarily resided in the State of Assam during the period from the first day of January, 1980 to the fifteenth day of August, 1985.

Note—Ex-Servicemen who have already joined the Government job on Civil side after availing of the benefits given to them as ex-servicemen for their re-employment, are not eligible to apply under Rule 6(c) (xiv) & 6(c) (xv) of the Rules.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

N.B.—(i) The candidature of a person who is admitted to the examination under the age concession mentioned in Rule 6(b) above, shall be cancelled, if after submitting his application, he resigns from service or his services are terminated by his department/office, either before or after taking the examination. He will, however, continue to be eligible if he is retrenched from the service of post after submitting the application.

(ii) A candidate who, after submitting his application to his department is transferred to other department/office will be eligible to complete under departmental age concession for the post(s), for which he would have been eligible, but for his transfer, provided his application, duly recommended, has been forwarded by his parent Department.

7. A candidate must have—

(a) Master's degree in Geology or Applied Geology or Marine/Geology from a University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other educational Institutes established by an Act of Parliament or declared to be deemed as Universities under Section 3 of the University Grants Commission Act 1956; or

(b) Diploma of Associateship in Applied Geology of the Indian School of Mines, Dhanbad; or

(c) Master's degree in Mineral Exploration from a recognised University (for posts in the Geological Survey of India only); or

(d) Master's degree in Hydrogeology from a recognised University (for posts in the Central Ground Water Board only).

NOTE I.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination, but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination as soon as possible, and in any case not later than 31st August, 1987.

NOTE II.—In exceptional cases, the Commission may treat a candidate who has not any of the qualifications prescribed in this rule, as educationally qualified provided that he has passed examinations conducted by other institutions, the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

NOTE III.—A candidate who is otherwise eligible but who has taken a degree from a foreign University may also apply to the Commission and may be admitted to the examination at the discretion of the Commission.

8. Candidates must pay the fee prescribed in para 6 of the Commission's Notice.

9. All candidates in Government service, whether in a permanent or in temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily-rated employees, or those serving under Public Enterprises will be required to submit an undertaking that they have informed in writing, their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employers by the Commission withholding permission to the candidates applying for/appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

10. The decision of the Commission as to the eligibility, or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

11. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

12. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

(i) obtaining support for his candidature by any means; or

(ii) impersonating, or

(iii) procuring impersonation by any person; or

- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with; or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information; or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination; or
- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct or their examination; or
- (xi) violating any of the instructions issued to the candidates along with their Admission Certificates permitting them to take the examination; or
- (xii) attempting to commit or as the case may be, abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses;

may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
- (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him into consideration.

13. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for an interview for a personality test.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes may be summoned for an interview for a personality test by the Commission by applying relaxed standards if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for interview for a personality test on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

14. After the examination the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to such candidate and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment up to the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for appointment to the Service, irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

15. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

16. Due consideration will be given at the time of making appointments on the results of the examination to the preferences expressed by a candidate for the various posts at the time of his application.

17. Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate, having regard to his character and antecedents, is suitable in all respects for appointment to the post.

18. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of the duties of the post. A candidate who after such medical examination as Government or the appointing authority, as the case may be, may prescribe is found not to satisfy those requirements, will not be appointed. Only candidates who are likely to be considered for appointment will be physically examined. Candidates will have to pay a fee of Rs. 16.00 to the Medical Board concerned at the time of the Medical Examination.

NOTE :—In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by a Government Medical Officer of the standing of a Civil Surgeon before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of the medical test to which candidates will be subjected before appointment to Gazetted posts and of the standards required are given in Appendix II. For the disabled ex-Defence Services personnels, the standards will be relaxed consistent with the requirements of the posts.

19. No person—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

20. Brief particulars relating to the posts to which recruitment is being made through this examination are given in Appendix III.

J. B. MUNIRAJULU, Under Secy.

APPENDIX I

SCHEDULE

1. The examination shall be conducted according to the following Plan :—

PART I—Written examination in the subjects as set out in para 2 below.

PART II—Interview for Personality Test of such candidates as may be called by the Commission, carrying a maximum of 200 marks (see para 7 below).

2. The following will be the subjects for the written examination :—

Subject	Code No.	Duration	Maximum Marks
1	2	3	4
(1) General English I .	01	1 1/2 hrs.	100
(2) Geology Paper I, comprising General Geology, Geomorphology, Structural Geology, Stratigraphy and Palaeontology . . .	02	3 hrs.	300
(3) Geology Paper II, comprising Crystallography, Mineralogy, Petrology and Geo-Chemistry.	03	3 hrs.	200
(4) Geology Paper III, comprising Indian Mineral Deposits, Mineral Exploration Mineral Economics and Economic Geology,	04	2 hrs.	150
(5) Hydrogeology . . .	05	2 hrs.	150

NOTE :—Candidate competing for posts under both category I and category II will be required to offer all the five subjects mentioned above. Candidates competing for posts under category I only will be required to offer subjects at (1) to (4) above and candidates competing for posts under category II only will be required to offer subjects at (1) to (3) and (5) above.

3. The examination in all the subjects will be completely of objective (multiple choice answer) type. For details including sample Questions, please see "Candidates' information Manual" at Annexure II to the Commission's Notice.

The Question Papers (Test Booklets) will be set in English only.

4. The standard and syllabus of the examination will be as shown in the Schedule.

5. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write answers for them.

6. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

7. Candidates are not permitted to use calculators for answering objective type papers (Test Booklets). They should not, therefore, bring the same inside the Examination Hall.

8. Special attention will be paid in the Personality Test to assessing the candidate's capacity for leadership, initiative and intellectual curiosity, tact and other social qualities, mental and physical energy, powers of practical application, integrity of character and aptitude for adapting themselves to the field life.

STANDARD AND SYLLABUS

The standard of the paper in General English will be such as may be expected of a science graduate. The papers on geological subjects will be approximately of the M.Sc. degree standard of an Indian University and questions will generally be set to test the candidate's grasp of the fundamentals in each subject.

There will be no practical examination in any of the subjects.

(1) GENERAL ENGLISH (Code 01)

Questions to test the understanding of and the power to write English.

(2) GEOLOGY PAPER I (Code 02)

A. *General Geology*.—Origin of the Earth, Continents and Oceans—their distribution, evaluation and origin. Continental drift, ocean spreading and concept of plate-tectonics, Palaeoclimates and their significance. Isostasy, Palaeomagnetism Radioactivity and its application to geology. Geochronology and age of the Earth. Seismology and interior of the Earth Geosynclines. Volcanism, Island arcs, deep-sea trenches and midoceanic ridges. Coral reefs. Orogeny and epeirogeny. Organic cycles.

B. *Geomorphology*.—Geomorphic processes, features and their parameters. Geomorphic cycles and their interpretations. Topography and its relation to structures. Soils.

C. *Structural Geology*.—Physical properties of rocks. Deformation; Faulting and folding—their mechanics. Primary structures. Lineation, foliation and joints. Plutons, diapirs and salt domes. Recognition of top and bottom of beds, Unconformities. Diastrophism. Petrofabric analysis.

D. *Stratigraphy*.—Principles of stratigraphy and nomenclature. Outlines of world stratigraphy and palaeogeography. Type section of the various geological systems. Gondwana System and Gondwanaland.

Stratigraphy and Palaeogeography of the Indian sub-continent (India, Pakistan and Bangladesh). Correction of the nents (India, Pakistan and Bangladesh). Correction of the graphy.

E. *Palaeontology*.—(a) Fossils, their nature, modes of preservation and uses. Morphology, classification and geological history of the invertebrates; corals brachiopods, amelli-branch ammonites, gastropods, trilobites, echioderma, graptolites and foraminifers.

(b) Principal groups of vertebrates with emphasis on Gondwana and Siwalik faunas. Evolutionary histories of man, elephant and horse.

(c) Fossil flora with emphasis on Gondwana flora and its significance and distribution.

(d) Micropalaeontology, its importance with special reference to foraminiferids, their ecology and palaeoecology.

(3) GEOLOGY PAPER II (Code 03)

A. CRYSTALLOGRAPHY

Symmetry elements and classification of crystals. Projections—Spherical and Stereographic; 32 classes (Point groups). Twinning and crystal imperfections.

B. DESCRIPTIVE MINERALOGY

Physical, chemical, electrical, magnetic and thermal properties of minerals. Structure and classification of silicates.

Olivine group. Garnet group, Epidote group and Melilite group. Zircon. Spinel, Silimanite, Andalusite, Kyanite, Toron, Staurolite, Beryl, Cordierite, Tourmaline, Pyroxene group and Amphibole group. Wollastonite and Rhodonite. Mica Group. Chloride group and Clay minerals. Feldspar group. Silica minerals. Feldspathoid group. Geolite group and Scapolite group. Oxides, Hydroxides. Carbonates, Phosphates, Halides, Sulphides and Sulphates.

C. OPTICAL MINERALOGY

General principles of optics. Optical accessories, Refrindex, birefringence, Extinction angle. Pleochroism, Optical ellipsoids. Optical axial angle. Optic orientation. Dispersion Optic anomalies.

D. PETROLOGY

(i) *Igneous*: Forms, structures, texture and classification. Granite-Granodior-Diorite, Syenite-Nepheline Syenite. Gabbro-Peridotite-Dunite Dolerite, Lamprophyre, Pegmatite, Aplite, Iolite and Carbonatite. Rhyolite, Trachyte, Dacite, Andesite and Basalt.

Phase rule and equilibrium in silicate system. Two component and three-component systems. Order of Crystallisation. Reaction principle. Crystallisation of magmas. Diversity Variation diagrams. Origin of granites, monomineralic and alkaline rocks, carbonatites, pegmatites and lamprophyres.

(ii) *Sedimentary*: Classification and composition. Origin of sediments. Textures and structures. Study of important groups of sedimentary rocks. Mechanical analysis of sediments. Methods of deposition. Palaeocurrents and basin analysis. Provenance of sediments. Depositional environment. Heavy minerals and their significance. Lithification and diagenesis.

(iii) *Metamorphic*: Agents, types, controls, structures, grades and facies of metamorphism. Metamorphic differentiation. Metasomatism and granitisation. Migmatites, granulites, charnockites, amphibolites, schists, gneisses and hornfels. Metamorphism in relation to magma and orogeny.

E. GEOCHEMISTRY

Gosmic abundances of elements, primary geochemical differentiation of the Earth; geochemical classification of the elements. Trace elements, Geochemistry of water. Geochemistry of sediments, geochemical cycle and principles of geochemical prospecting.

(4) GEOLOGY PAPER III (Code 04)

A. INDIAN MINERAL DEPOSITS

Indian deposits of the following metallic and non-metallic ores and minerals with reference to their distribution, mode of occurrence and origin:

(a) Copper, Lead, Zinc, Aluminium, Magnesium, Iron, Manganese, Chromium, Gold, Silver, Tungsten and Molybdenum.

(b) Mica, Vermiculite, Asbestos, Barytes, Graphite, Gypsum, Ochre. Precious and Semi-precious minerals, refractory minerals, abrasives and minerals for ceramics, glass, fertiliser-cement, paint and pigment industries and building stones.

(c) Coal, petroleum, natural gas and atomic energy minerals.

B. MINERAL EXPLORATION

Methods of surface and sub-surface exploration, field equipment and field tests used for exploration, guides for locating ore deposits. Sampling assaying and evaluation of ore deposits. Application of geophysical, geochemical and geobotanical surveys in mineral exploration.

C. MINERAL ECONOMICS

Significance of minerals in national economy. Use of various minerals in manufacturing industries. Demand, supply and substitutes. Production and price of major minerals in India. International aspects of Mineral industries, Strategic, critical and essential mineral. Conservation and national mineral policy. India's status in mineral production.

D. ECONOMIC GEOLOGY

Mineral deposits—processes of formation, controls of localisation and classification. Study of important metallic and non-metallic minerals with reference to their mineralogy, mode of occurrence and distribution.

HYDROGEOLOGY (Code 05)

Hydrological cycle. Distribution of water in the earth's crust. Ground Water in hydrological cycle. Origin of ground water, meteoric, juvenile and magmatic water, springs. Classification of rocks with respect of water bearing characteristics. Hydro-stratigraphic units. Geological structures favouring ground water occurrence. Ground water provinces. Ground water reservoirs—Aquifers, aquicludes aquitards. Classification of aquifers.

Hydrological properties of rocks (Ground water reservoirs) porosity, void ratio, permeability, transmissivity, storativity, specific yield, specific retention, diffusivity. Methods of identification of ground water reservoir properties—Permeability and specific yield/storativity by discharging well methods and laboratory techniques. Forces causing ground water movement. Laws of ground water movement—Darcy's law. Ground water recharge—artificial and natural, factors controlling recharge conjunctive and consumptive use of ground water.

Surface and sub-surface techniques of ground water exploration—geological and geophysical—water balance. Techniques of ground water extraction (Types of wells, methods of well construction in different types of rocks for best yield). Chemical characteristics of ground water in relation to various uses—domestic, industrial and irrigational. Water pollution.

APPENDIX II

REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL EXAMINATION OF CANDIDATES

[These regulations are published for the convenience of candidates and in order to enable them to ascertain the probability of their coming upto the required physical standard. The regulations are also intended to provide guidelines to the medical examiners and a candidate who does not satisfy the minimum requirements prescribed in the regulations cannot be declared fit by the medical examiners. However, while holding that a candidate is not fit according to the norms laid down in these regulations, it would be permissible for a Medical Board to recommend to the Government of India for reasons specifically recorded in writing that he may be admitted to service without disadvantage to Government.

It should, however, be clearly understood that the Government of India reserve to themselves, absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board. For the disabled ex-Defence Services Personnel the standards will be relaxed consistent with the requirements of the posts.]

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race, it is left to the Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates, if there be any disproportion with regard to height, weight and chest girth, the candidate should be hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not fit by the Board.

3. The candidate's height will be measured as follows :—
He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard; the chin will be depressed to bring the vertex of the head-level under the horizontal bar, and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetre to halves.

4. The candidate's chest will be measured as follows :—
He will be made to stand erect with his feet together and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the inferior angles of the shoulder blades behind and lies in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted and the minimum and maximum will then be recorded in the centimetres thus 84-89 86-93.5 etc. In recording the measurements fractions of less than half a centimetre should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to a final decision.

5. The candidate will also be weighted and his weight recorded in Kilogram; fraction of half a Kilogram should not be noted.

6. The candidate's eye-sight will be tested in accordance with following rules. The result of each test will be recorded.

(i) *General*.—The candidate's eye will be submitted to a general examination directed to the detection of any disease or abnormality. The candidate will be rejected if he suffers from any squint or morbid conditions of eyes, eyelids or contiguous structures of such a sort as to render or are likely at a future date to render him unfit for service.

(ii) *Visual Acuity*.—The examination for determining the acuteness of vision includes two tests, one of the distant, the other for near vision. Each eye will be examined separately.

There shall be no limit for minimum naked eye vision but the naked eye vision of the candidate shall, however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in

every case as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

The standard for distant and near vision with or without glasses shall be as follows :—

Distant Vision		Near Vision	
Better eye	Worse eye	Better eye	Worse eye
6/9	6/9	0.6	0.8
or	or		
6.6	6/12		

NOTE (1) —Total amount of Myopia (including the cylinder) shall not exceed—4.60 D. The total amount of Hypermetropia (including the cylinder) shall not exceed +4.00D.

NOTE (2)—*Fundus Examination* : Wherever possible fundus examination will be carried out at the direction of the Medical Board and results recorded.

NOTE (3)—*Colour vision* : (i) The testing of colour vision shall be essential.

(ii) Colour perception should be graded into a higher and a lower grade depending upon the size of the aperture in the lantern as described in the table below :—

Grade	Higher Grade of Colour perception	Lower Grade of Colour perception
1. Distance between the lamp and candidate . . .	4.9 metres	4.9 metres
2. Size of aperture . . .	1.3 mm.	1.3 mm.
3. Time of exposure . . .	5 Sec.	5 Sec.

For the post of Geologist (Jr.) and Assistant Geologist concerning Geological Survey of India and Junior Hydrogeologist and Asstt. Hydrogeologist concerning Central Ground Water Board, the medical standards in regard to colour perception and all other tests relating to eyes will be of high order.

(iii) Satisfactory colour vision constitutes recognition with ease and without hesitation of signal red, signal green and white colours. The use of Ishihara's plates, shown in good light and a suitable lantern like caduce green shall be considered quite dependable for testing colour vision. While either of the two tests may ordinarily be considered sufficient, in respect of the services concerned with road, rail and air traffic, it is essential to carry out the lantern test. In doubtful cases where a candidate fails to qualify when tested by only one of the two tests, both the tests should be employed.

NOTE (4) *Field of vision*.—The field of vision shall be tested by the confrontation method. Where such test gives unsatisfactory or doubtful result the field of vision should be determined on the perimeter.

NOTE (5).—*Night Blindness*.—Night blindness need not be tested as a routine, but only in special cases. No standard test for the testing of night blindness or dark adaptation is prescribed. The Medical Board should be given the discretion to improvise such a rough test, e.g., recording of visual acuity with reduced illumination or by making the candidate recognise various objects in a darkened room after he/she has been there for 20 to 30 minutes. Candidates' own statements should not always be relied upon but they should be given due consideration.

NOTE (6).—(a) *Ocular conditions other than visual acuity*.—Any organic disease or a progressive reactive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered as a disqualification.

(b) *Trachoma*.—Trachoma unless complicated shall not ordinarily be a cause for disqualification.

(c) *Squint*.—Where the presence of binocular vision is essential, squint, even if the visual acuity is of a prescribed standard, should be considered as disqualification.

(d) *One-eyed persons*.—The employment of one-eyed individuals is not recommended.

7. Blood Pressure.

The Board will use its discretion regarding Blood Pressure. A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows:—

- (i) With young subjects 15—25 years of age the average is about 100 plus the age.
- (ii) With subjects over 25 years of age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N.B.—As a general rule any systolic pressure over 140 mm and diastolic over 90 mm should be regarded as suspicious and the candidates should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalisation report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc. or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-ray and electro-cardiographic examinations of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to the fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the Medical Board only.

Method of taking Blood Pressure

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient and particularly his arm is relaxed, he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position.

The arm should be freed from clothes to the shoulder. The cuff completely deflated, should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm and its lower edge an inch or two above the bend of elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied slightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 mm. Hg. and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the systolic pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level at which the well-heard clear sounds change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurement should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and will vitiate the readings. Re-checking if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff. (Sometimes, as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level; they may disappear as pressure falls and reappear at still lower level. This silent Gap may cause error in reading).

8. The urine (passed in the presence of the examiner, should be examined and the result recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical test, the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of diabetes. If except for the glycosuria, the Board finds the candidate conforms to the standard of medical fitness required they may pass the candidate "fit subject to the glycosuria being non-diabetic" and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical specialist will carry out whatever examination clinical and laboratory he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test and, will submit his opinion to the Medical Board, upon which the Medical Board will base its final opinion "fit" or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital under strict supervision.

9. A woman candidate who as a result of test is found to be pregnant of 12 weeks standing or over, should be declared temporarily unfit until the confinement is over. She should be re-examined for a fitness certificate six weeks after the date of confinement subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

10. The following additional points should be observed:—

- (a) that the candidates hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case it is defective the candidate should be got examined by the ear specialist; provided that if the defect in hearing is remediable by operation or by use of a hearing aid candidate cannot be declared unfit on that account provided he/she has no progressive

disease in the ear. The following are the guidelines for the medical examining authority in this regard—

1	2	3
(1) Marked or total deafness in one ear other ear being normal.	Fit for non-technical job if the deafness is upto 30 decibel in higher frequency.	
(2) Perceptive deafness in both ears in which some improvement is possible by a hearing aid.	Fit in respect of both technical and non-technical jobs if the deafness is upto 30 decibel in speech frequencies of 1000 to 4000.	
(3) Perforation of tympanic membrane of Central or marginal type.	(i) one ear normal other ear perforation of tympanic membrane present—Temporarily unfit. Under improved Conditions of Ear Surgery a candidate with marginal or other perforation in both ears should be given a chance by declaring him temporarily unfit and then he may be considered under 4 (ii) below. (ii) Marginal or attic perforation in both ears—Unfit. (iii) Central perforation both ears—Temporarily unfit.	
(4) Ears with Mastoid cavity subnormal hearing on one side/on both sides.	(i) Either ear normal hearing other ear, Mastoid cavity—Fit for both technical and non-technical jobs. (ii) Mastoid cavity of both sides, Unfit for technical jobs—Fit for non-technical jobs if hearing improves to 30 decibels in either ear with or without hearing aid.	
(5) Persistently discharging ear operated/unoperated.	Temporarily Unfit for both technical and non technical jobs.	
(6) Chronic inflammatory/allergic conditions of nose with or without bony deformities of nasal septum.	(i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases. (ii) If deviated nasal Septum is present with symptoms—Temporarily unfit.	

1	2	3
(7) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx.	(i) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx Fit. (ii) Hoarseness of voice of severe degree is present then Temporarily Unfit.	
(8) Benign or locally malignant tumours of the E.N.T.	(i) Benign Tumours Temporarily—Unfit. (ii) Malignant Tumour—Unfit.	
(9) Otosclerosis	If the hearing is within 30 decibels after operation or with the help of hearing aid—Fit.	
(10) Congenital defects of ear, nose or throat.	(i) If not interfering with functions—Fit. (ii) Stuttering of severe degree—Unfit.	
(11) Nasal Poly	Temporarily Unfit.	

- (b) that his speech is without impediment;
- (c) that his teeth are in good order and that he/she is provided with dentures where necessary for effective mastication (well filled teeth will be considered as sound);
- (d) that the chest is well formed and his chest expansion sufficient; and that his heart and lungs are sound;
- (e) that there is no evidence of any abdominal disease;
- (f) that he is not ruptured;
- (g) that he does not suffer from hydrocele, severe degree of varicocele, varicose veins or piles;
- (h) that his limbs, hands and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all his joints;
- (i) that he does not suffer from any inveterate skin disease;
- (j) that there is no congenital malformation or defect;
- (k) that he does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution;
- (l) that he bears marks of efficient vaccination; and
- (m) that he is free from communicable disease.

11. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs which may not be apparent by ordinary physical examination.

When any defect is found it must be noted in that Certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

NOTE.—Candidates are warned that there is no right of appeal from a Medical Board, special or standing appointed to determine their fitness for the above posts. If, however, Government are satisfied on the evidence produced before them of the possibility of an error of judgement in the decision of the first Board it is open to Government to allow an appeal to a second Board. Such evidence should be submitted within one month of the date of the communication in which the decision of the first Medical Board is communicated to the candidate otherwise no request for an appeal to a second Medical Board, will be considered.

If any medical certificate is produced by a candidate as a piece of evidence about the possibility of an error of judgement in the decision of the first Board, the certificate will not be taken into consideration unless it contains, a note by the medical practitioner concerned to the effect that it has been given in full knowledge of the fact that the candidate had already been rejected as unfit for service by the Medical Board.

Medical Board's Report

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner.

The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service if any, of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the public service who shall not satisfy Government, or the appointing authority, as the case may be, that he has no disease constitutional affection or bodily infirmity unfitting him or likely to unfit him for that service.

It should be understood that the question of fitness involves future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service, and that rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which in only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

A lady doctor will be coopted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

Candidates appointed to the posts of Geologists (Jr.) and Assistant Geologist are liable for field service in or out of India. In the case of such a candidate the Medical Board should specifically record their opinion as to his fitness or otherwise for field service.

The report of the Medical Board should be treated as confidential.

In case where a candidate is declared unfit for appointment in the Government service, the grounds for rejection may be communicated to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

In cases where a Medical Board considers that a minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board.

There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

In the case of candidates who are to be declared temporarily 'Unfit', period specified for re-examination should not ordinarily exceed six months at the maximum. On re-examination after the specified period these candidates should not be declared temporarily unfit for a further period but a final decision in regard to their fitness for appointment or otherwise should be given.

(a) Candidate's statement and declaration.

The candidate must make the statement required below prior to his Medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention is specially directed to the Warning contained in the Note below :—

1. State your name in full (in block letters).....
2. State your age and birth place
3. (a) Do you belong to races such as Gorkhas, Garhwalis, Assamese, Nagaland Tribals etc. whose average height is distinctly lower. Answer 'Yes' or 'No', and if the answer is "Yes" state the name of the race.
- (b) Have you ever had small-pox, intermittent or any other fever, enlargement or suppuration of glands, spitting of blood, asthma, heart disease, lung disease, fainting attacks, rheumatism, appendicitis.
- (c) Any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment?
4. When were you last vaccinated?
5. Have you suffered any form of nervousness due to overwork or any other cause?
6. Furnish the following particulars concerning your family.

Father's age if living, and State of health	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living, their ages and state of health	No. of brothers dead, their ages at and cause of death.
---	--	--	---

Mother's age if living, and state of health	Mother's age at death and cause of death	No. of sisters living, their ages and state of health	No. of sisters dead, their ages at and cause of death
---	--	---	---

7. Have you been examined by a Medical Board before ?

8. If answer to the above is 'Yes' please state what Services/posts you were examined for.

9. Who was the examining authority ?

10. When and where was the Medical Board held ?

1. Results of the Medical Board's examination, if communicated to you or if known

I declare all the above answers to be the best of my belief, true and correct.

Candidate's Signature

Signed in my presence.

Signature of Chairman of the Board.

NOTE:—The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statement. By wilfully suppressing any information he will incur the risk of losing the appointment and, if appointed, of forfeiting all claims of superannuation allowance or Gratuity.

(b) Report of the Medical Board on (Name of candidate) physical examination.

1. General development : Good Fair Poor

Nutrition : Thin Average Obese

Height (without shoes) Weight

Any recent change in weight
Temperature

Girth of Chest :—

(1) (After full inspiration)

(2) (After full expiration)

2. Skin : any obvious disease

3. Eyes

(1) Any disease

(2) Night blindness

(3) Defect in colour vision

(4) Field of Vision

(5) Fundus Examination

(6) Visual Acuity

(7) Ability for stereoscopic fusion

Acuity of vision	Naked eye	With glasses	Strength of glasses sph.ev. Axis
Distant Vision			
RE			
LE			
Near Vision			
RE			
LE			
Hypermetropia (Manifest)			
RE			
LE			

Distant Vision
RE
LE

Near Vision
RE
LE

Hypermetropia (Manifest)
RE
LE

4. Ears : Inspection Hearing : Right Ear
Left Ear

5. Glands Thyroid

6. Condition of teeth

7. Respiratory system : Does physical examination reveal anything abnormal in the respiratory organs ?

If yes, explain fully

8. Circulatory system

(a) Heart and organic lesions

Rate : Standing

After hopping 25 times

2 minutes after hopping

(b) Blood Pressure : Systolic Diastolic

9. Abdomen : Girth

Tenderness

Hernia

(a) Palpable Liver Spleen
Kidneys Tumours

(b) Haemorrhoids Fistula

10. Nervous System : Indications of nervous or mental disabilities

11. Loco-Motor System : Any abnormality

12. Genito Urinary System : Any evidence of Hydrocele, Varicocele, etc.

Urine Analysis :

(a) Physical appearance

(b) Sp. Gr.

(c) Albumen

(d) Sugar

(e) Casts

(f) Cells

13. Report of X-Ray Examination of Chest

14. Is there anything in the health of the candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the service for which he is a candidate

NOTE.—In case of a female candidate, if it is found that she is pregnant of 12 weeks standing or over, she should be declared temporarily unfit, vide regulation 9.

15. (a) For which services has the candidate been examined and found in all respects qualified for the efficient and continuous discharge of his duties and for which of them is he considered unfit ?

(b) Is the candidate fit for FIELD SERVICE ?

NOTE.—The Board should record their finding under one of the following three categories :

(i) Fit

(ii) Unfit on account of

(iii) Temporarily unfit on account of

President

Member

Place

Date

APPENDIX III

Brief particulars relating to the posts for which recruitment is being made through this examination.

1. Geological Survey of India

(1) Geologist (Junior) Group A—

(a) Candidates selected for appointment will be appointed on probation for a period of two years, which may be extended, if necessary.

(b) During the period of probation the candidates may be required to undergo such course of training and instructions and to pass such examinations and tests as may be prescribed by the competent authority.

(c) Prescribed scales of pay in the Geological Survey of India.

(i) Geologist (Junior) (Junior Scale) Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300.

(ii) Geologist (Senior) (Senior Scale) Rs. 1100—50—1600.

(iii) Director (Geology) Rs. 1500—60—1800—100—2000.

(iv) Deputy Director General (Geology) Rs. 2250—125/2—2500.

(v) Senior Deputy Director General (Operations) Rs. 2500—125/2—2750.

(vi) Director General Rs. 3000 (fixed).

(d) Promotions to the higher grades of posts in the Department will be made in accordance with the recruitment rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(e) Conditions of service and leave and pension are those described in the Fundamental Rules and Civil Services Regulations respectively, subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(f) Conditions of Provident Fund are those laid down in the General Provident Fund (Central Services) Rules, subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(g) All officers of Geological Survey of India are liable for service in any part of India or outside India.

(2) Assistant Geologist Group B—

(a) Candidates selected for appointment will be appointed on probation for a period of two years which may be extended, if necessary.

(b) During the period of probation the candidates may be required to undergo such course of training and instructions and to pass such examinations and tests as may be prescribed by the competent authority.

(c) Prescribed scale of pay Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

(d) Recruitment to the Cadre of Geologist (Group A—Junior Scale) will be made partly through the Union Public Service Commission competitive examination, and partly through D.P.C. by promotion from the next lower grade of Assistant Geologist of the Geological Survey of India in accordance with the recruitment rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(e) Conditions of service and leave and pension are those described in the Fundamental Rules and Civil Services Regulations respectively subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(f) Conditions of Provident Fund are those laid down in General Provident Fund (Central Services) Rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(g) Assistant Geologist are liable for service anywhere in India or outside India.

2. Central Ground Water Board

(1) Junior Hydrogeologist Group A—

(a) Candidates selected for appointment will be appointed on probation for a period of two years which may be extended, if necessary.

(b) Prescribed scales of pay in the Central Ground Water Board :—

(i) Junior Hydrogeologist—Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300.

(ii) Senior Hydrogeologist—Rs. 1100—50—1600.

(iii) Director—Rs. 1500—60—1800—100—2000.

(iv) Chief Hydrogeologist—Rs. 2250—125/2—2500.

(c) Promotions to the higher grades of posts in the Department will be made in accordance with the recruitment rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(d) Conditions of service and leave and pension are those described in the Fundamental Rules and Civil Services Regulations respectively, subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(e) Conditions of Provident Fund are those laid down in the General Provident Fund (Central Services) Rules, subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(f) All Officers of Central Ground Water Board are liable for service in any part of India or outside India.

(2) Assistant Hydrogeologist, Group B—

(a) Candidates selected for appointment will be appointed on probation for a period of two years which may be extended, if necessary.

(b) Prescribed scale of pay—Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

(c) Recruitment to the cadre of Junior Hydrogeologist (Group A) will be made partly through the Union Public Service Commission competitive examination and partly through D.P.C. by promotions from the next lower grade of Assistant Hydrogeologist of the Central Ground Water Board in accordance with the recruitment rules subject to such modifications as may be made by the Government from time to time.

(d) Conditions of service and leave and pension are those described in the Fundamental Rules and Civil Services Regulations respectively, subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(e) Conditions of Provident Fund are those laid down in General Provident Fund (Central Services) Rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(f) Assistant Hydrogeologists are liable for service anywhere in India or outside India.

MINISTRY OF STEEL AND MINES
(DEPARTMENT OF STEEL)

New Delhi, the 26th August 1986

RESOLUTION

No. SC-1(1)/86-D.III(.).—Vide Resolution of even number dated 31st January, 1986 Government of India had constituted a Steel Consumers Council under the Chairmanship of the Minister of Steel & Mines and consisting of representatives of the Government, producers and consumers of iron and steel, house builders and related industries. Since the formation of this Council Government have received a number of representations/proposals from different associations, Departments of Government for giving a representation to them also on the Council. These representations/proposals have been carefully examined and it has been decided to reconstitute the Council by giving representations to some of these associations and the Government Departments on this Council. The composition of the reconstituted Council will now be as follows :—

Chairman

Minister of Steel and Mines.

Vice-Chairman

Secretary, Ministry of Steel & Mines, Department of Steel.

Members

- I. (i) Department of Railways.
- (ii) Department of Public Enterprises.
- (iii) Department of Power.
- (iv) Directorate General of Technical Development.
- (v) Ministry of Commerce.
- (vi) Development Commissioner, Small Scale Industries (DCSSI).
- (vii) Iron & Steel Controller, Calcutta.
- (viii) Regional Iron & Steel Controllers of Delhi, Bombay, Calcutta, Madras, Hyderabad and Kanpur.
- (ix) Minerals & Metals Trading Corporation of India, New Delhi.
- (x) Metal Scrap Trade Corporation, Calcutta.
- II. Two representatives each of the main producers of iron and steel namely.
 - (i) Steel Authority of India Ltd.
 - (ii) Indian Iron & Steel Company Ltd.
 - (iii) Tata Iron & Steel Company Ltd.
- III. A representative each of.
 - (i) Tinsplate Company of India Ltd., Calcutta.
 - (ii) K. R. Steel Union Private Limited, Bombay.
 - (iii) Steel Furnace Association of India, New Delhi.
 - (iv) Alloy Steel Producers' Association of India, Bombay.
 - (v) Steel Rolling Mills Association of India, Calcutta.
 - (vi) All India Steel Rollers Association, New Delhi.
 - (vii) Indian Stainless Steel Rollers Association, Bombay.
- IV. A representative each of
 1. Federation of Indian Chamber of Commerce and Industry, New Delhi.
 2. Associated Chamber of Commerce and Industry of India, New Delhi.
 3. Council of Small Industries Corporations in India, New Delhi.
 4. All India Metal Forging Association, New Delhi.
 5. All India Small Scale Bright Bar Manufacturers, Association, Bombay.
 6. All India Stainless Steel Industries Association Bombay.
 7. All India Wire Netting Manufacturers' Association, Bombay.

8. Association of Indian Engineering Industry, New Delhi.
9. Association of High Tensile Fastener Manufacturers, Bombay.
10. Association of Indian Drop Forging & Stamping Industries, Bombay.
11. Automotive Component Manufacturers Association of India, Bombay.
12. Bright Steel Manufacturers' Association of India, Bombay.
13. Bucket Manufacturers Association of India, Calcutta.
14. Calcutta Tea Chest Fittings Manufacturers' Association, Calcutta.
15. Cast Iron Spun Pipe Manufacturers' Association, Calcutta.
16. Confederation of All India Bright Bar Manufacturers, New Delhi.
17. Engineering Export Promotion Council, Calcutta.
18. Fan Makers Association of India, Calcutta.
19. Federation of Association of Small Industries of India, New Delhi.
20. Federation of Engineering Industries of India, New Delhi.
21. Iron and Steel Scrap Association of India, Bombay.
22. Indian Diesel Engine Manufacturers Association, Bombay.
23. Indian Foundry Association, Calcutta.
24. Indian Wire Rope Manufacturers Association, Calcutta.
25. Industrial Fasteners Association of India, Calcutta.
26. Metal printers & Fabricators' Association, New Delhi.
27. National Alliance of Young Entrepreneurs, Calcutta.
28. National Cooperative Housing Federation of India Ltd., New Delhi.
29. Organisation of Indian Engineering Industry, Calcutta.
30. Process Plant & Machinery Association of India, Bombay.
31. Small Scale Wire Manufacturers' Association, Calcutta.
32. Steel Wire Manufacturers Association of India, Calcutta.
33. Tinsplate Fabricators Association, Calcutta.

Member-Secretary

Joint Secretary (Incharge), Steel Control Wing, Department of Steel, New Delhi.

2. The functions and the tenure of the Council will remain unchanged.

ORDER

ORDERED that a copy of the above Resolution be communicated to all the State Governments, Union Territory Administrations, all the Ministries and Departments of the Government of India including the Prime Minister's Office, Cabinet Secretariat, Parliament Secretariat, Planning Commission and the Comptroller and Auditor General of India and all the members of the Steel Consumers Council.

ORDERED also that it be published in the Gazette of India for general information.

U. K. MUKHOPADHYAY, Jr. Secy.

MINISTRY OF INDUSTRY
DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

New Delhi, the 8th September 1986

RESOLUTION

No. 4(1)/85-KVI(I).—In continuation of this Ministry's Resolution dated 1st July, 1986, it has been decided that Shri K. C. Sodhia, Additional Secretary and Financial Adviser Ministry of Industry (Department of Industrial Development) who has retired on 31-8-1986, will continue to be a member

of the Khadi and Village Industries Review Committee and will be treated as a non-official member.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution may be communicated to :—

1. All members of the Committee.
2. Chairman, KVIC, Bombay.
3. Ministry of Finance, New Delhi.
4. Planning Commission, VSI Division, New Delhi.
5. Shri K. C. Sodhia, AS & FA, Deptt. of I.D., New Delhi.

ORDERED that the resolution may be published in the Gazette of India for general information.

A. V. GOKAK, Jt. Secy.

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

New Delhi-1, the 12th September 1986

ORDER

No. 27/9/85-CL.II.—In exercise of the powers conferred by clause (ii) of sub-section (1) of section 209-A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) the Central Government hereby authorise the following officers of the Government of India, in the Department of Company Affairs for the purpose of the said section 209-A :—

1. Shri S. K. Mandal, Company Accountant.
2. Shri S. N. Jeya, Deputy Director (Accounts).

R. D. MAKHEEJA, Under Secy.

MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPARTMENT OF EDUCATION)

New Delhi, the 26th August 1986

RESOLUTION

Subject :—Population Education Programme (Formal Education System).

No. F.12-22/85-School-4.—In partial modification of this Ministry's Resolution No. F. 12-22/85-School-4 dated 12th March, 1986, it is notified that Adviser (Media & Communication), Ministry of Health and Family Welfare will be a Member of the National Steering Committee to oversee the implementation of the Population Education Programme in place of Joint Secretary, Ministry of Health and Family Welfare.

2. The rest of the membership of the Committee will remain unchanged.

ORDER

ORDERED that a copy of Resolution be sent to all State Governments, Union Territory Administrations, all Ministries/Departments of the Government of India, University Grants Commission, Prime Minister's Office, National Council of Educational Research and Training.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

Y. N. CHATURVEDI, Jt. Secy.

New Delhi, the 1st September 1986

No. F. 12-12/85-D.III(PE).—In pursuance of Resolution No. F. 16-6/65-PE.4 dated the 17th August, 1965 of the erstwhile Ministry of Education as amended from time to time, and on the expiry of the term of the board of governors of the Society for the National Institutes of Physical Education and Sports, constituted vide Notification No. F.12-5/82-D.III (Sports), dated the 31st July, 1982 of the erstwhile Ministry of Education and Culture, the following persons are appointed on the board of governors of the Society for the National Institutes of Physical Education and Sports for a period of three years with effect from the 1st September, 1986 :—

I. Chairman

Shri P. V. Narasimha Rao,
Minister of Human Resource Development,
S-261 GI/86

II. Vice-Chairman

2. Smt. Margaret Alva,
Minister of State for Youth Affairs & Sports

III. Representatives of the Government of India (3) Ex-Officio

3. Joint Secretary in-charge of Youth Affairs & Sports
4. Joint Secretary in the Department of Education
5. Addl. Secretary (Expenditure), Ministry of Finance.

VI. Representatives of State Governments (20)

6. Government of Kerala (Southern Region)
7. Government of U.P. (Northern Region).

V. Experts in Physical Education (2)

8. Dr. P. L. Malhotra, Director, NCERT, New Delhi.
9. Prof. Karan Singh, Head of the Department of Physical Education,
Banaras Hindu University.

VI. Sports Promoters (4)

10. Secretary-General of Indian Olympic Association.
11. Director-General, Sports Authority of India
12. Dr. Jagdish Narain, Secretary, Association of Indian Universities.
13. Shri Jaideen Singh, Baria M.P., President, Amateur Athletics Federation of India.

VII. Experts in Yoga (1)

14. Shri O. P. Tiwari, Kaivalyadham Shreeman Madhav Yoga Mandir Samiti, Lonavala (Pune).

VIII. Outstanding Sportspersons (2)

15. Kumari Sushma Sarolkar, (KHO KHO)
16. Shri Anand Amritraj (Tennis)

IX. Dean, Lakshmibai National College of Physical Education, Gwalior (Ex-Officio)

17. Dr. N. N. Mall, Dean, Lakshmibai National College of Physical Education, Gwalior.

X. Member-Secretary

18. Dr. R. L. Anand (Ex-Officio)
Director General,
Netaji Subhash National Institute of Sports,
Patiala.

A representative of each of the State Governments where Netaji Subhash National Institute of Sports and Lakshmibai National College of Physical Education and/or their regional wings are located will be Permanent Invitees to the SNIPES meetings.

M. LAKSHMINARAYANA, Dy. Secy.

New Delhi, the 9th September 1986

No. F.10-3/86-U.5.—Under Rules 3 and 6 of the Memorandum of Association and Rules of the Indian Council of Social Science Research, New Delhi, the following persons are nominated by the Government of India as members of the Indian Council of Social Science Research for the period ending 31st March, 1989.

1. Dr. Ashok Jain,
Director,
National Institute of Science, Technology and Development Studies,
Hill Side Road,
New Delhi-110012.
2. Prof. C. H. Hanumantha Rao,
Institute of Economic Growth,
University of Delhi,
Delhi-110007.
3. Prof. K. M. Pannikar,
Centre for Historical Studies,
Jawaharlal Nehru University,
New Delhi-110067.

2. The following persons are re-nominated as members of the Indian Council of Social Science Research for the second term ending 31st March, 1989 :—

1. Prof. G. Ram Reddy,
Vice-Chancellor,
Indira Gandhi National Open University,
New Delhi-110001.
2. Prof. Vimla Agarwal,
Head, Deptt. of Psychology,
Laboratory of Experimental Psychology,
The University, Lucknow.

S. K. SENGUPTA, Under Secy.

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi-110011, the 11th September 1986

RESOLUTION

No. U.23013/11/84LW(i).—In partial modification of para 2 of the Ministry of Labour's Resolution No. 23013/11/84-LW(i), dated 22-1-1986, published in Gazette of India Extraordinary, Part-I, Section-1, dated the 22nd January, 1986 relating to the constitution of a committee to go into the question of working of contract labour system in Iron Ore Mines in the country, Central Government hereby makes the following amendment, namely :—

2. In the said Resolution for Serial No. 1 and 6 and the entries relating thereto, the following shall be substituted :—

MEMBERS

- (1) Shri P. N. Singh,
Joint Director (IR),
Steel Authority of India Limited,
Ispat Bhawan, Lodi Road,
New Delhi.
- (6) Shri L. D. Samant,
Chowgule and Co. (P) Ltd.,
Mormugao Harbour-403 803.
Goa.

ORDER

Copies of the Resolution may be sent to :—

1. All the members of the Central Advisory Contract Labor, Labour Board.
2. The Ministry of Steel, Mines and Coal (Department of Steel), New Delhi.
3. The Ministry of Steel, Mines and Coal (Deptt. of Mines), New Delhi.
4. The Steel Authority of India Ltd., Ispat Bhawan, Lodi Road, New Delhi.
5. The Welfare Commissioner, 33, Ashoka Nagar, Bhubaneswar, Pin-751 009, Orissa.
6. Shri S. K. Sanyal, Working President, Indian National Mine Workers Federation, Bornala, Nagpur-440 013.
7. Shri S. Das Gupta, General Secy., Indian National Mine Workers' Federation, Rajendra Path, Katras Road, Dhanbad.
8. Shri S. K. Choudhury, Regional Controller of Mines, Indian Bureau of Mines, New Sectt. Bldg., Nagpur.

9. Shri A. Khalique, Chief Personnel Manager, National Mineral Development Corp. Ltd., 10-3-311/A, Castle Hills, Nasao Tank, Hyderabad-500 028.

10. Shri T. R. Goenka, Ex-President, Federation of Indian Mineral Industries, Goenka Minerals (P) Ltd., "sheel niwas", Post Box No. 271, 1062, West High Court Road, Nagpur-440 010.

11. Shri L. D. Samant, Chowgule & Co. Ltd., Mormugao Harbour-403 803 (Goa).

12. Shri R. K. Sharma, Secretary, Federation of Indian Mineral Industries, 301, Bakshi House, 40-41, Nehru Place, New Delhi-110 019.

13. Shri P. N. Singh, Joint Director (I.R.), Steel Authority of India Ltd., Ispat Bhawan, Lodi Road, New Delhi.

ORDERED also that a copy of the Resolution be published in the Gazette of India, Part-I Section-I.

RESOLUTION

No. U.23013/11/84-LW(ii).—In partial modification of para 2 of the Ministry of Labour's Resolution No. U.23013/11/84-LW(ii), dated 22-1-1986, published in Gazette of India Extraordinary, Part-I, Section 1, dated the 22nd January, 1986 relating to the constitution of a committee to go into the question of working of contract labour system in Manganese Mines in the Country, Central Government hereby makes the following amendment, namely :—

2. In the said Resolution for Serial No. 6 and entries relating thereto, the following shall be substituted :—

MEMBER

- (6) Shri V. J. Trivedi,
J. A. Trivedi Bros.,
Post Box No. 1, Main Road,
Balaghat-481 001.
(Madhya Pradesh).

ORDER

Copies of the Resolution may be sent to :—

1. All the members of the Central Advisory Contract Labour Board.
2. The Ministry of Steel, Mines and Coal (Department of Steel), New Delhi.
3. The Ministry of Steel, Mines and Coal (Department of Mines), New Delhi.
4. The Steel Authority of India Ltd., Ispat Bhawan, Lodi Road, New Delhi.
5. Shri S. K. Sanyal, Working President, Indian National Mine Workers Federation, Bornala, Nagpur-13.
6. Shri S. Das Gupta, General Secretary, Indian National Mine Workers' Federation, Rajendra Path, Katras Road, Dhanbad.
7. Shri A. Khalique, Chief Personnel Manager, National Mineral Development Corporation Ltd., 10-3-311/A, Castle Hills, Nasab Tank, Hyderabad-500 028.
8. Shri T. R. Goenka, Ex-President of Federation of Indian Mineral Industries, Goenka Minerals (P) Ltd., "Sheel Niwas", Post Box No. 271, 1062, West High Court Road, Nagpur-440 010.
9. Shri R. K. Sharma, Secretary, Federation of Indian Mineral Industries, 301, Bakshi House, 40-41, Nehru Place, New Delhi-110 019.
10. The Regional Labour Commissioner (Central), Kofia No. 155, Sector 38-A, Chandigarh.
11. Shri A. H. Dharmadhikari, Deputy General Manager (Tech.), Manganese Ore (India) Ltd., 3, Mount Road Ext., Nagpur-440 001.

12. Shri Suresh Chand, Regional Controller of Mines, Indian Bureau of Mines, New Secretariat, Building, Nagpur.

13. Shri V. J. Trivedi, J. A. Trivedi Bros., Post Box No. 1, Main Road, Balaghat-481001, (M.P.).

ORDERED also that a copy of the Resolution be published in the Gazette of India Part-I, Section-I.

RESOLUTION

No. U.23013/11/84-LW(iii).—In partial modification of para 2 of the Ministry of Labour's Resolution No. U.23013/11/84-LW(iii), dated 22-1-1986, published in Gazette of India Extraordinary, Part-I, Section I, dated the 22nd January, 1986 relating to the constitution of a committee to go into the question of working of contract Labour system in Limestone and Dolomite Mines in the country, Central Government hereby makes the following amendment, namely:—

2. In the said Resolution for Serial No. 1 and 6 and the entries relating thereto, the following shall be substituted:—

MEMBERS

(1) Shri P. N. Singh,
Joint Director (IR),
Steel Authority of India Ltd.,
Ispat Bhavan, Lodi Road,
New Delhi.

(6) Shri Y. H. Dalmia,
President,
Dalmia Cement (Bharat) Ltd.,
Hansalaya (11th and 12th Floors),
15, Barakhamba Road,
P.B. No. 364,
New Delhi-110 001.

ORDER

Copies of the Resolution may be sent to:—

1. All the members of the Central Advisory Contract Labour Board.
2. The Ministry of Steel, Mines and Coal (Department of Steel), New Delhi.
3. The Ministry of Steel, Mines and Coal (Department of Mines), New Delhi.
4. The Steel Authority of India Ltd., Ispat Bhavan, Lodi Road, New Delhi.
5. Shri S. K. Sanyal, Working President, Indian National Mine Workers Federation, Bornala, Nagpur-13.
6. Shri S. Das Gupta, Gen. Secy. Indian National Mine Workers' Federation, Rajendra Path, Katras Road, Dhanbad.
7. Shri A. Khalique, Chief Personnel Manager, National Mineral Development Corp. Ltd., 10-3-311/A, Castle Hills, Nasab Tank, Hyderabad-500 028.
8. Shri T. R. Goenka, Ex-President of Federation of Indian Mineral Industries, Goenka Minerals (P) Ltd., "Sheel Niwas", P.B. No. 271, 1062, West High Court Road, Nagpur-440 010.
9. Shri R. K. Sharma, Secy., Federation of Indian Mineral Industries, 301, Bakshi House, 40-41, Nehru Place, New Delhi-110 019.
10. The Welfare Commissioner D. No. 1-7-145/12, Srinivasanagar Colony, Opp. Subash Talkies, Musheerabad, Hyderabad-500048.
11. Shri M. Mukherjee, Regional Controller of Mines, Indian Bureau of Mines, New Sectt. Bldg., Nagpur.

12. Shri Y. H. Dalmia, President, Dalmia Cement (Bharat), Ltd., Hansalaya (11th and 12th Floors), 15, Bara Khamba Road, P.B. No. 364, New Delhi-110 001.

13. Shri P. N. Singh, Joint Director (IR), SAIL, Ispat Bhavan, Lodi Road, New Delhi.

ORDERED also that a copy of the Resolution be published in the Gazette of India Part I Section I.

A. K. SRIVASTAVA
Director General (Labour Welfare)/
Jt. Secy. to the Govt. of India

New Delhi, the 8th September 1986

RESOLUTION

No. V-24040/1/86-WB.—Working Journalists/Non-Journalist Newspaper Employees.

Under Section 10 of the Working Journalists and Other Newspaper Employees (Conditions of Service) and Miscellaneous Provisions Act, 1955.

WHEREAS the Wage Boards for the Working Journalists/Non-Journalist Newspaper Employees have been constituted under Section 9/13C of the Working Journalists and Other Newspaper Employees (Conditions of Service) and Miscellaneous Provisions Act, 1955 vide Notification No. V-24032/7/85-WB dated 1/7-1985 and No. V-24032/7/85-WB dated 26-8-1985 respectively.

AND WHEREAS these Boards have to make their recommendations in the matter of fixing and/or revising the rates of wages for Working Journalists/Non-journalist Newspaper Employees.

WHEREAS as required by Section 10 read with Section 13D of the said Act all the NEWSPAPER ESTABLISHMENTS AND WORKING JOURNALISTS/NON-JOURNALIST NEWSPAPER EMPLOYEES in the country and also OTHER PERSONS interested in the fixation or revisions of rates of wages of Working Journalists/Non-journalist Newspaper Employees are called upon to make such representations in writing as they may think fit in respect of the rates of wages which may be fixed and/or revised under the said Act stating the rates. They are also called upon to state the rates of wages which in their respective opinion would be reasonable having regard to the capacity of the employer to pay the same or to any other circumstances which may seem relevant to them in relation to their respective representation.

AND WHEREAS the Boards have also prepared the questionnaire which would be available to all the interested persons as indicated hereinafter. The aforesaid persons are called upon to answer these questionnaire also.

AND WHEREAS for facilitating the availability of the questionnaire copies of the notice and the questionnaire have been sent to the State Governments for distribution to the newspaper establishments and working journalists/Non-journalist Newspaper Employees and also for supplying to those who may ask for them. AND the State Governments for this purpose have been further requested to send the copies of the Notice and questionnaire to their respective information department's District Offices, so that it can be supplied as above at the various districts of the respective States. Thus the questionnaire would be available at the respective District Offices of the Information Department of the various States who so ever is desirous of obtaining them may obtain from there.

AND WHEREAS the Board have solved that these representations and the reply should be filed by 15th October, 1986, all the persons who desire to file their respective representations and detailed replies to the questionnaire should either file in the office of the Wage Board or send by post so as to reach the office by 15th October 1986.

AND WHEREAS the fixation of wage rates and or revision pre-dominantly depends upon documentary evidence, the respective parties should file alongwith their respective representations :—

- (i) List of the documents on which they rely.

- (ii) True copies or original as the case may be of the documents which are in their possession.

- (iii) List of the documents which they want to be summoned by the Board with the name and address of the person or persons from whom they are to be summoned.

All the representationist should file with the wage boards 15 copies of the representation as well as of the documents including Balance Sheets and Profit and Loss Account for the years 1978-79 to 1985-86.

BISHAMBHAR NATH, Under Secy.